संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-149 ■ रायपुर, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : प्रतिपदा
नक्षत्र : भरणी
प्रथम करण : कौवाला
द्वितीय करण : तैतिल
पक्ष : कृष्ण
वार : मंगलवार
योग : सिद्धि
सूर्योदय : 06:33
सूर्यास्त : 17:36
चंद्रमा : मेष राशि में
राहुकाल : 14:50 - 16:13
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:26

श्रम कार्ड एवं आधार कार्ड की जानकारी में विषमता होने पर कराएं ई-केवाईसी

रायपुर । श्रम विभाग में पंजीकृत ऐसे श्रमिक, जिनके श्रम पंजीयन कार्ड एवं आधार कार्ड में दर्ज जानकारी में किसी प्रकार की विषमता है, उन्हें आधार आधारित संशोधन (ई-केवाईसी) कराना आवश्यक है। यह प्रक्रिया कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) एवं विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर (वीएलई) के माध्यम से की जाएगी। प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के निर्देशानुसार पंजीकृत श्रमिकों को पंजीयन से संबंधित ई-केवायसी किया जा रहा है। श्रम विभाग में पंजीकृत सभी श्रमिकों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम चॉइस सेंटर अथवा वीएलई के पास जाकर अपने श्रम पंजीयन कार्ड में दर्ज जानकारी की जाँच कराएं।

यदि श्रम कार्ड एवं आधार कार्ड की जानकारी में किसी प्रकार की विसंगति पाई जाती है, तो आधार आधारित संशोधन (ई-केवाईसी) की प्रक्रिया पूर्ण कराएं। ई-केवाईसी नहीं कराने अथवा दोनों दस्तावेजों में दर्ज जानकारी में विषमता बने रहने की स्थिति में श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में परेशानी हो सकती है तथा वे योजनाओं के लाभ से वंचित भी हो सकते हैं। अतः सभी पंजीकृत श्रमिक समय रहते अपने श्रम कार्ड की जानकारी का सत्यापन कराएं तथा आवश्यक होने पर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराकर अपने पंजीयन संबंधी जानकारी को अद्यतन रखें।

चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग
चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में आज उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब चलती इलेक्ट्रीक स्कूटी में भीषण आग लग गई। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई, वरना एक बड़ा हाददा हो सकता था। यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में राधा कृष्ण मंदिर के पास हुई है। बताया जा रहा है कि चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया।

फिलहाल आग लगने का कारण अज्ञात है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि स्कूटी में आग कीतनी भीषण है। स्कूटी धू-धूकर जल रही है और धुएं का काला गुबार निकल रहा है। इतना ही नहीं आसपास लोगों की भीड़ भी लगी हुई है।

भाजपा ने खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी की मांग की

पीएम मोदी पर बयान के बाद देशभर में भाजपा का विरोध

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रविवार को पटना में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर, सोमवार को भाजपा ने देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी की मांग की है। यह विरोध प्रदर्शन खड़गे की उस टिप्पणी के बाद हुआ, जो उन्होंने रविवार को पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में दी थी।

मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) में कथित अनियमितताओं के बारे में बात करते हुए, खड़गे ने कहा कि कांग्रेस इसमें शामिल लोगों को जेल भेजेगी। जब दर्शकों में से एक व्यक्ति ने बीच में टोकते हुए कहा, "मोदी कहीं नहीं जाएंगे," तो खड़गे ने पलटकर जवाब दिया, "मोदी का बाप भी जाएगा, बाप भी जाएगा।" इस टिप्पणी की भाजपा ने कड़ी आलोचना की। भाजपा ने खड़गे पर प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता का अपमान करने का आरोप लगाया और सोमवार को देशभर में विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की।

दिल्ली में, बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजाजी मार्ग पर खड़गे के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। जब उन्होंने सेना भवन



सर्कल से खड़गे के आवास की ओर मार्च करने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ नारे लगाए और उनसे माफी की मांग की। पटना में, बीजेपी नेताओं और समर्थकों ने पार्टी मुख्यालय से इनकम टैक्स गोलंबर तक लगभग 300 मीटर लंबा 'जन आक्रोश मार्च' निकाला और खड़गे का पुतला फूंका। इस मार्च का नेतृत्व बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने किया।

सरावगी ने कहा कि कल सारी हदें पार हो गईं, जब आधुनिक बिहार के निर्माता श्रीकृष्ण सिंह की जयंती मनाने के मंच का इस्तेमाल प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनावी समर्थन में आ रही कमी से उपजी अपनी हताशा को मोदी पर निकाल रही है। उन्होंने खड़गे और राहुल गांधी से माफी की मांग की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी खड़गे की आलोचना करते हुए कहा कि इन टिप्पणियों से करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने हैरानी जताई कि यह बयान एक ऐसी पार्टी के अध्यक्ष की ओर से आया है, जो खुद को देश का सबसे पुराना राजनीतिक संगठन बताती है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे खेद जताने के बजाय इन टिप्पणियों का बचाव कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का दौरा
दूसरे दिन भी चली मैराथन बैठक

रायपुर ■ दैनन्दिनी



भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी ने अपने पहले छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन पार्टी सांसदों के साथ बैठक की. बैठक में स्मृति ईरानी के द्वारा पार्टी के साथ-साथ सरकार के कामकाज को लेकर कही गई बातों को सांसदों ने लल्लूराम डॉट कॉम के साथ साझा किया.

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बैठक को लेकर बताया कि संगठन और सरकार का काम बेहतर कैसे हो, इस पर सुझाव लिए गए. स्मृति ईरानी ने भी बेहतर कामकाज को लेकर सुझाव दिए. सरकार होने पर संगठन, सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की क्या भूमिका होनी चाहिए, इस पर चर्चा की. संगठन और सरकार मिलकर काम करेंगे, तभी आने वाले समय में फिर सरकार में आकर जनता की सेवा कर पाएंगे.

सांसद विजय बघेल ने बैठक को लेकर बताया कि प्रभारी ने वन टू वन चर्चा की है. सांसदों से फीडबैक भी लिया गया है. इसके साथ ही अपने-अपने लोकसभा में केंद्र और राज्य की योजनाएँ किस तरह से पहुँच रही है, इन सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई है.

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने बैठक को लेकर बताया कि विचारधारा को धरातल पर उतारने को लेकर मंथन हुआ. सत्ता और संगठन के बीच बेहतर तालमेल पर चर्चा हुई. बैठक में सुझाव मांगे गए, जनप्रतिनिधियों ने भी सुझाव दिए. उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ की स्थिति से परिचित हैं. संगठन का दायित्व बखूबी निभाएंगी.

मानहानि केस में सुल्तानपुर कोर्ट से राहुल गांधी बरी

सुल्तानपुर ■ एजेंसी



उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में बरी कर दिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने आज फैसला सुनाते हुए कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी मानहानिकारक प्रकृति की नहीं थी। राहुल गांधी फैसले के समय अदालत में मौजूद थे। यह मामला 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए उनके एक बयान से जुड़ा था।

यह मामला 2018 का है, जिसमें बेंगलुरु में एक सम्मेलन के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद तत्कालीन भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

सुल्तानपुर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी विजय मिश्रा ने राहुल गांधी की टिप्पणी से आहत होने का हवाला देते हुए सुल्तानपुर की अदालत में उनके खिलाफ मानहानि का परिवाद दाखिल किया था।

12 राज्यों तक दिखेगा चक्रवाती तूफान का असर

नई दिल्ली: चक्रवाती तूफान की वजह से देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र 26 अक्टूबर तक एक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और 28 अक्टूबर के आसपास उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिणी ओडिशा के तटों की ओर बढ़ सकता है। इसके कारण आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका है, जिसका असर पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ तक भी देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। केरलम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ इलाकों में आज बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

हसदेव नदी में आरक्षक ने लगाई छलांग, 72 घंटे बाद मिला शव

कोरबा. मोरगा चौकी अंतर्गत केंदई के पास पुल से आरक्षक सुनील बेक ने हसदेव नदी में छलांग लगाई थी. घटना के करीब 72 घंटे बाद यानी सोमवार को उसका शव बरामद कर लिया गया है. मृतक सुनील सरगुजा जिले में थाना प्रेमनगर अंतर्गत तारापुर चौकी में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे. पुलिस आत्मघाती कदम उठाने के पीछे क्या कारण थे, उसकी जांच में जुटी हुई है.23 अक्टूबर को आरक्षक की बाइक क्रमांक CG 14 MX 1898 पुल पर खड़ी मिली. बाइक के पास ही उसका मोबाइल, पर्स, पुलिस आईडी कार्ड और आधार कार्ड भी बरमाद



हुआ. घटनास्थल पर मिले सामान के आधार पर आरक्षक के नदी में छलांग लगाने की आशंका जताई गई थी. सूचना के बाद मौके पर पहुंची मोरगा चौकी प्रभारी मंगतू राम पुलिस स्टाफ ने बाइक और दस्तावेज बरामद किए, जिसके आधार पर नदी में छलांग लगाने की आशंका हुई. दस्तावेजों से बाइक आरक्षक की होना मालूम पड़ा. इसके बाद आरक्षक की तलाश के लिए एसडीआरएफ के गोताखोरों की टीम को बुलाया गया है.

युवक की फांसी के फंदे पर लटकी मिली लाश, बीती रात बिना बताए घर से था निकला

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र में 21 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव एक पेड़ पर फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान शंकर नगर, मुल्ला निवासी 21 वर्षीय सागर कावड़े के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक बीती रात घर में किसी को कुछ बताए बिना निकला था। इसके बाद आज दोपहर उसका शव एक पेड़ पर फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही भानुप्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल युवक के आत्महत्या करने के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है।

बंगाल की खाड़ी में उठ रहा चक्रवाती तूफान, 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश में मचा सकता है तबाही!

नई दिल्ली ■ एजेंसी



पूर्वी-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने डीप डिप्रेशन के कारण आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिण ओडिशा के तटीय इलाकों के लिए चक्रवात का अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार को पूर्वी-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव क्षेत्र थोड़ा दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ा। 25 अक्टूबर 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय मानक समय) यह और अधिक तीव्र होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया।

आज, 25 अक्टूबर 2026 को सुबह 11:30 बजे (IST) यह उसी क्षेत्र में लगभग 15.1° उत्तरी अक्षांश और 91.0° पूर्वी देशांतर पर केंद्रित था। इसके लगभग दक्षिण-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 26 अक्टूबर की सुबह तक पूर्वी-मध्य एवं उससे सटी दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान (साइक्लोनिक स्टॉर्म) में तब्दील होने की प्रबल संभावना है।

इसके बाद, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए बंगाल की खाड़ी के पूर्वी-मध्य और उससे सटे पश्चिमी-मध्य हिस्सों में पहुंचने और 27 अक्टूबर 2026 की सुबह के आस-पास एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की प्रबल संभावना है।

खड़ी ट्रक में जा घुसी बस, 3 यात्रियों की मौत

बलौदा बाजार. छत्तीसगढ़ के रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे 130 पर सोमवार सुबह-सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया. बलौदाबाजार जिले के दरचुरा के पास तेज रफ्तार बस खड़ी ट्रक में जा घुसी. घटना के दौरान लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला. 3 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 10 लाग घायल बताए जा रहे हैं. इन आंकड़ों में वृद्धि हो सकती है. दुर्घटना सिमगा थाना क्षेत्र की है.

जानकारी के मुताबिक, रॉयल ट्रेवल्स की बस (CG 04 NM 0859) सोमवार सुबह अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर रायपुर के लिए निकली



थी. सफर में अधिकतर यात्री नींद में थे. घटना के दौरान बस में करीब 22 यात्री सवार थे सड़क पर तेज रफ्तार में दौड़ रही बस सुबह करीब 5:30 बजे दरचुरा के पास खड़ी ट्रक में जा घुसी. यात्रियों को संभलने का मौका भी नहीं मिल पाया. 3 लोगों की मौके पर ही मौत गई. वहीं 8 से 10 लोग गंभीर घायल हो गए हैं. बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है. घटना की सूचना पर डायल 112 और सिमगा पुलिस टीम मौके पर पहुंची. बस के अंदर कई लोग गंभीर हालत में थे. उनका सामान बिखर गया था. सभी को बस से बाहर निकाला गया. घायलों को इलाज के लिए तत्काल सिमगा सीएचसी भेजा गया है, जहां उनका इलाज जारी है. वहीं मृतकों के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

अनोखा प्रदर्शन : कई संगठनों ने दिया आंदोलन को समर्थन

बेहतर हवाई सुविधा को लेकर सड़क पर उल्टे चले लोग

बिलासपुर ■ दैनन्दिनी

बिलासपुर में पूर्ण विकसित एयरपोर्ट और महानगरों के लिए सीधी हवाई उड़ान शुरू करने की मांग को लेकर जारी आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों उल्टा चलकर मार्च किया.आंदोलन के सात साल पूरे होने पर प्रदर्शनकारियों ने अनोखे अंदाज में विरोध जताया. एयरपोर्ट की मांग कर रहे आंदोलनकारियों ने उल्टा चलकर मार्च निकाला और 'उल्टा चलो' अभियान की शुरुआत की.

आंदोलनकारियों का कहना है कि बिलासपुर में बेहतर हवाई कनेक्टिविटी की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है. इसी के विरोध में उन्होंने उल्टा चलकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया. प्रदर्शन के जरिए आंदोलनकारी बिलासपुर में पूर्ण विकसित एयरपोर्ट की सुविधा उपलब्ध कराने और देश के प्रमुख महानगरों के लिए सीधी हवाई उड़ान शुरू करने की मांग उठा रहे हैं. उनका कहना है कि



बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से क्षेत्र के व्यापार, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. साथ ही आम नागरिकों को भी यात्रा करने में सुविधा होगी. बिलासपुर में पूर्ण विकसित एयरपोर्ट की मांग को लेकर हुए आंदोलन को विभिन्न संगठनों का समर्थन मिल रहा है. इनमें जिला अधिवक्ता संघ, मर्चेंट एसोसिएशन, व्यापारिक संगठन, जिला उद्योग संघ, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA), होटल एसोसिएशन, क्रिकेट संघ, हॉकी संघ और रेलवे मेंस कांग्रेस सहित कई संगठन शामिल हैं. समिति के सदस्य विनय शुक्ला ने बताया कि बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से मार्च 2021 में व्यावसायिक उड़ानों की शुरुआत हुई थी. लेकिन रनवे की लंबाई करीब 1,500 मीटर होने के कारण यहां फिलहाल छोटे विमानों का ही संचालन हो पा रहा है. बड़े विमानों के उतरने की सुविधा नहीं होने से हवाई सेवाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है. समिति की मांग है कि रनवे की लंबाई बढ़ाकर एयरपोर्ट को 4C श्रेणी के अनुरूप विकसित किया जाए।

'रामायण' में राम की हल्दी रस्म देख कन्फ्यूज हुए लोग, सीता की मौजूदगी ने बढ़ाया सस्पेंस

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के गाने और उससे जुड़ी झलकियां दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने नया गाना 'मंगल रंग' रिलीज किया, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आ रहे हैं। गाने में राम-सीता के विवाह समारोह के साथ उनके वनवास से पहले के जीवन की कुछ झलकियां भी दिखाई गई हैं। खूबसूरत दृश्यों और पारंपरिक माहौल ने दर्शकों का ध्यान खींचा है, लेकिन इसी बीच एक खास सीन सोशल मीडिया पर बहस की वजह बन गया है। इस दृश्य में भगवान राम के शरीर पर पीले रंग का लेप लगाया जाता है और उनके आसपास परिवार की महिलाएं मौजूद दिखाई देती हैं। अब सवाल उठ रहा है कि क्या यह हल्दी की रस्म है या फिर मिथिला की किसी पारंपरिक धार्मिक परंपरा को दिखाया गया है।



'मंगल रंग' के एक दृश्य में भगवान राम को एक भव्य पारिवारिक समारोह के बीच बैठे देखा जा सकता है। इस दौरान परिवार की महिलाएं उनके शरीर पर पीले रंग का लेप लगाती हैं और माहौल में उत्सव की खुशी नजर आती है। पहली नजर में कई दर्शकों ने इसे शादी से पहले होने वाली हल्दी की रस्म समझ लिया। हिंदू विवाह परंपराओं में हल्दी समारोह का खास महत्व होता है, जिसमें दूल्हा-दुल्हन को शुभकामनाएं देने के लिए हल्दी लगाई जाती है। हालांकि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इस दृश्य में माता सीता की मौजूदगी पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि अगर यह विवाह से पहले की पारंपरिक हल्दी रस्म है, तो इस दृश्य में सीता की उपस्थिति को किस तरह समझा जाए? इसी चर्चा के बीच कुछ लोगों ने दावा किया कि यह दृश्य हल्दी का नहीं, बल्कि मिथिला क्षेत्र में प्रचलित चुमान या चुमावन नाम की परंपरा का हो सकता है। हालांकि फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक इस दृश्य में दिखाई गई रस्म की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

चुमान, जिसे चुमावन भी कहा जाता है, मिथिला की पारंपरिक सांस्कृतिक परंपराओं में शामिल एक रस्म है। इसका आयोजन विवाह जैसे शुभ अवसरों पर किया जाता है। इस रस्म का उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन या संबंधित व्यक्ति को बड़ों का आशीर्वाद देना और उनके सुखी जीवन, समृद्धि, दीर्घायु तथा मंगलमय भविष्य की कामना करना होता है। स्थानीय परंपराओं के अनुसार इस अनुष्ठान में सुपारी, हल्दी, दूर्वा घास और लाल धान जैसे शुभ पदार्थों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें पारंपरिक थाली या पात्र में सजाकर रस्म निभाई जाती है। हालांकि, अलग-अलग समुदायों और क्षेत्रों में इस परंपरा को निभाने का तरीका अलग हो सकता है। यही वजह है कि कुछ दर्शक 'मंगल रंग' के दृश्य को चुमान की परंपरा से जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर चर्चा का एक दूसरा पहलू भी सामने आया है। कुछ लोगों का मानना है कि गाने में दिखाया गया समारोह राम और सीता के विवाह से संबंधित न होकर भगवान राम के प्रस्तावित राज्याभिषेक की तैयारियों से जुड़ा हो सकता है। रामायण की कथा में राज्याभिषेक का प्रसंग भी महत्वपूर्ण है, जिसमें परिवार और राजपरिवार की परंपराओं का विशेष स्थान है। हालांकि फिलहाल ये सभी व्याख्याएं दर्शकों की अटकलों पर आधारित हैं। फिल्म के मेकर्स ने न तो इस रस्म को हल्दी बताया है और न ही चुमान या राज्याभिषेक से जुड़ा अनुष्ठान होने की पुष्टि की है। इसके अलावा अवध में परंपरा रही है कि राजा की ताजपोशी से पहले उसे उबटन लगाते हैं और आशीर्वाद देते हैं। गाने में इनमें से ही किसी एक दृश्य का जिक्र किया गया है जिसे लोग शादी से पहले हल्दी की रस्म समझ रहे हैं। अब फिल्म रिलीज के बाद ही सही कारण पता चलेगा। बता दें, इस गाने के म्यूजिक को लेकर भी सवाल उठे हैं।

रिलीज से पहले चर्चा में 'रामायण'

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की मुख्य भूमिकाओं वाली 'रामायणः पार्ट 1' को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता है। 'मंगल रंग' ने फिल्म के पारिवारिक और सांस्कृतिक पक्ष की झलक दिखाई है। अब इस एक दृश्य को लेकर छिड़ी बहस ने गाने को नई चर्चा में ला दिया है। आने वाले समय में यदि निर्माता इस रस्म के बारे में कोई स्पष्टीकरण देते हैं, तो यह साफ हो सकेगा कि पर्दे पर दिखाई गई परंपरा का संबंध राम-सीता के विवाह से है, मिथिला की चुमान रस्म से या फिर किसी अन्य प्रसंग से। फिलहाल, दर्शक अपने-अपने नजरिए से इस दृश्य का अर्थ निकाल रहे हैं।

100 साल पुरानी हवेली की मालकिन हैं डायना पेंटी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड में कई सितारों के आलीशान घर अपनी खूबसूरती और लग्जरी इंटीरियर के लिए चर्चा में रहते हैं, लेकिन अभिनेत्री डायना पेंटी का पुश्तैनी घर अपनी अलग ही कहानी बयां करता है। साउथ मुंबई में स्थित करीब 100 साल पुरानी इस हवेली में कदम रखते ही ऐसा महसूस होता है, जैसे समय पीछे लौट गया हो। ऊंची छतें, पुराने जमाने का फर्नीचर, बारीक नक्काशी और औपनिवेशिक दौर की वास्तुकला इस घर को खास बनाती हैं। पिछले साल फिल्ममेकर फराह खान ने अपने व्लॉग के लिए डायना के इस घर का दौरा किया था। घर की भव्यता देखकर वह इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने इसकी तुलना शाहरुख खान के मशहूर बंगले 'मन्नत' से कर दी।

डायना के घर को देखकर फराह खान ने कहा- ये तो बकिंघम पैलेस है!

डायना पेंटी के घर पहुंचते ही फराह खान का मजाकिया अंदाज देखने को मिला। हवेली के विशाल आकार को देखकर उन्होंने अपने कुक दिलीप से मजाक में कहा कि यह तो बकिंघम पैलेस है। इसके बाद जब उनकी मुलाकात डायना से हुई, तो उन्होंने अभिनेत्री का परिचय दिलीप से 'लेडी डायना' के नाम से कराया। इस मजेदार बातचीत ने घर के दौरे को और दिलचस्प बना दिया। घर के भीतर दाखिल होने के बाद फराह की नजर वहां मौजूद पुरानी चीजों और इंटीरियर पर टिक गई। दीवारों, फर्नीचर और पूरे घर की बनावट में पुराने मुंबई की झलक दिखाई देती है। फराह ने कहा कि यहां आकर ऐसा लगता है, मानो किसी दूसरे दौर में पहुंच गए हों। आज के आधुनिक और चमक-दमक वाले सेलिब्रिटी घरों से अलग, डायना की हवेली अपने पुरानेपन और ऐतिहासिक खूबसूरती के कारण खास नजर आती है।

चार पीढ़ियों से इस घर में रह रहा है डायना का परिवार

डायना पेंटी की मां नॉरीन ने घर से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि परिवार इस घर में चार पीढ़ियों से रह रहा है। यानी यह सिर्फ एक आलीशान मकान नहीं, बल्कि परिवार की यादों और विरासत को संजोए रखने वाली जगह भी है।

'मैं अपने पति के प्यार में दीवानी हूं', विजय देवरकोंडा से शादी पर उठे सवाल तो भड़कीं रश्मिका मंदाना, बोलीं- हमारी जिंदगी है, फैसला भी हमारा होगा

मुंबई (एजेंसी)। साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर हो रही चर्चाओं से परेशान नजर आ रही हैं। अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ उनकी शादी और रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। हाल ही में दोनों के शो 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में दिए गए बयानों के बाद यह चर्चा और तेज हो गई। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों के रिश्ते पर सवाल उठाए, तो कुछ ने रश्मिका को बिना मांगी सलाह देनी शुरू कर दी। अब अभिनेत्री ने एक लंबी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आलोचकों को जवाब दिया है। उन्होंने साफ किया कि लोग उनके रिश्ते के बारे में पूरी सच्चाई जाने बिना अपनी धारणाएं बना रहे हैं। रश्मिका ने बताया कि विजय ने शादी का फैसला लेने से पहले समय क्यों लिया, दोनों ने मिलकर अपनी जिंदगी का निर्णय कैसे किया और आखिर क्यों वह अपने रिश्ते को लेकर किसी अनजान व्यक्ति की राय से प्रभावित नहीं होना चाहतीं। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने अपने परिवार को इस विवाद में घसीटने वालों को भी जमकर फटकार लगाई है। विजय ने शादी से पहले क्यों लिया समय? रश्मिका मंदाना ने अपनी पोस्ट में कहा कि वह आमतौर पर लोगों की राय पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस बार उन्हें लगा कि लोग उनकी और विजय की बातचीत को समझने के बजाय किसी एक को गलत साबित करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते की कहानी इस बात पर निर्भर नहीं करती कि किसने कितनी बार प्रपोज किया या शादी के लिए फैसला लेने में कितना समय लगा। अभिनेत्री के मुताबिक विजय के लिए शादी से पहले एक-दूसरे को अच्छी तरह समझना और भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए तैयार होना जरूरी था। वह चाहते थे कि दोनों जिंदगी के अच्छे और बुरे दौर का सामना साथ करने के लिए पूरी तरह तैयार हों।



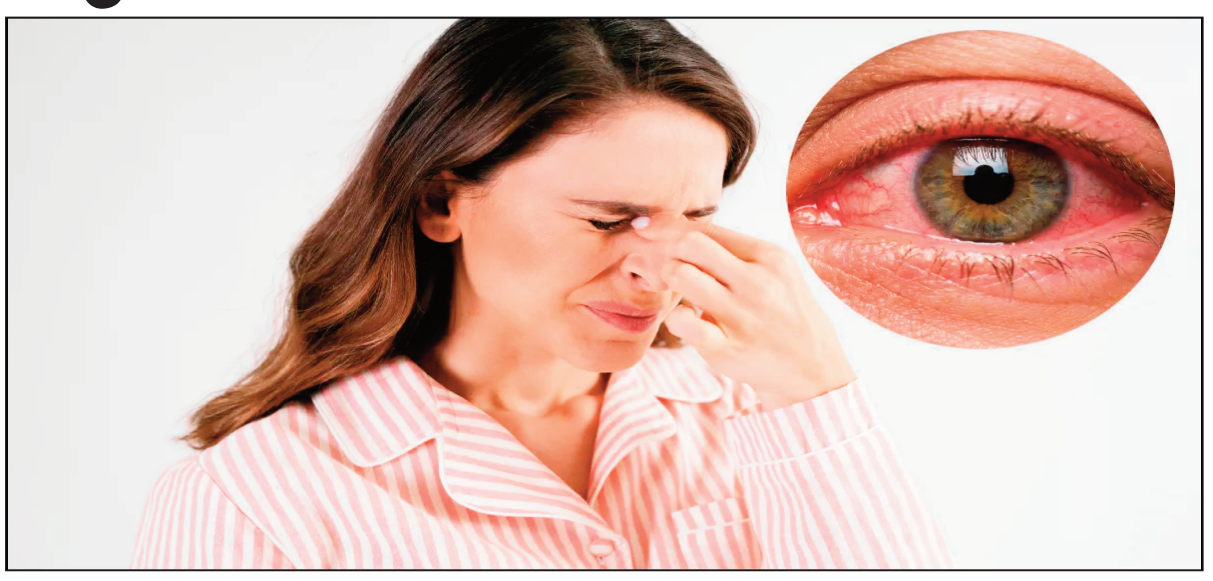
सेहत

आंख लाल होना, खुजली या जलन होना सामान्य नहीं है, कंजंक्टिवाइटिस के हो सकते हैं लक्षण

मानसून में कंजंक्टिवाइटिस तेजी से फैलने वाली बीमारी है। ये एक से दूसरे में आसानी से फैलने वाला संक्रमण है। अगर परिवार में किसी एक को कंजंक्टिवाइटिस हो जाए तो करीबी संपर्क में रहने वाले परिवार के सदस्यों को भी खतरा रहता है। आमतौर पर इसे पिंक आई के नाम से जाना जाता है। ये वायरल कंजंक्टिवाइटिस गंदे हाथों, तौलियों, तकिए के कवर, मोबाइल फोन और बार-बार आंख को छूने से फैलता है। ये किसी की आंखों में देखने मात्र से नहीं होता है।

कंजंक्टिवाइटिस कैसे फैलता है?

शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भुमेश त्यागी ने बताया कि वायरल कंजंक्टिवाइटिस, सबसे आम प्रकार है जो तेजी से फैलता है। अगर किसी को इंफेक्शन हो रखा है तो उसके हाथ से दूसरे हाथ छूने से, तौलिये, तकिए और दूसरी पर्सनल चीजों के सीधे संपर्क में आने से ये फैलता है। स्कूल जाने वाले बच्चे अक्सर तेजी से इसकी चपेट में आते हैं।



नजदीकी संपर्क में आने पर ये माता-पिता या भाई-बहनों तक में फैल सकता है। पहले ये एक आंख में होता है और फिर दूसरी आंख में फैल जाता है।

कंजंक्टिवाइटिस के लक्षण

लाल या गुलाबी आंखें
खुजली या जलन
बहुत अधिक टूटन
आंख से गाढ़ा पानी आना
आंखों से स्राव होना
पलकों पर पपड़ी जमना
खासतौर से सुबह आंख चिपक जाना
प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
आंखों में किरकिरापन

कितने दिन रहता है कंजंक्टिवाइटिस संक्रमण

आमतौर पर 7-14 दिनों तक या जब तक आंखें लाल, पानीदार और पानी बहना बंद न हो जाएं, तब तक संक्रमण बना रहता है। संक्रमण फैलने की संभावना पहले 3 से 5 दिनों में सबसे ज्यादा होता है। जब परिवार के किसी एक सदस्य को कंजंक्टिवाइटिस हो जाता है, तो साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि इससे पूरे परिवार में एक से दूसरे में ये फैल सकता है।

कंजंक्टिवाइटिस को फैलने से कैसे रोकें
अपने हाथों को साबुन और पानी से बार-बार धोएं।
आंखों को छूने या रगड़ने से बचें।
तौलिए, तकिए, रुमाल, आंखों का मेकअप या कॉन्टैक्ट लेंस शेयर न करें।
जिन जगहों को बार-बार छूते हैं उन्हें नियमित रूप से साफ करें।
स्कूल या काम पर जाने से पहले डॉक्टर की सलाह लें
डॉक्टर को कब दिखाएं
अगर कंजंक्टिवाइटिस के साथ शरीर में कुछ और भी लक्षण दिखाई दें तो डॉक्टर से सलाह लें।
आंखों में तेज दर्द
धुंधला दिखाई देना
रोशनी के प्रति संवेदनशीलता
आंखों के आसपास सूजन
गाढ़ा पीला या हरा स्राव
अगर इंफेक्शन होने के कुछ दिनों में सुधार न आए तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसा किसी दूसरी बीमारी के लक्षण भी हो सकते हैं।

हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर देता है इस तरह के संकेत

आजकल की बदलती जीवनशैली में देश में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब कम उम्र के युवा भी हार्ट अटैक की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। ऐसे में साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर, बता रहे हैं कि हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर के किस तरह के संकेत दिखते हैं जिसे पहचानकर अपना बचाव कर सकते हैं।

हार्ट अटैक से एक महीने शरीर में दिखते हैं ये लक्षण

छाती में तकलीफः अगर छाती में अचनाक से बहुत ज़्यादा डिस्कंफर्ट या प्रेशर फील होता है तो यह एक लक्षण हो सकता है। अगर पहले ऐसा नहीं होता था लेकिन इस बीच कभी कभी चेस्ट में टाइटनेस, प्रेशर, हेविनेस या जलन जैसा महसूस हो रहा है लेकिन थोड़ी देर के बाद ठीक हो जा रहा है तो इसे हलके में न लें। यह हार्ट की बीमारी का पैटर्न है इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

सांस का फूलनाः अगर ज़रा भी चलने पर सांस फूलने की समस्या हो रही है, चलते समय अगर आप बोल रहे हैं और सांस फूल रही है या फिर सीढ़ियां चढ़ने पर भी हांफने लगते हैं तो इसे चेतावनी की तरह माने। खासकर, यह ओल्ड ऐज और डायबिटीज वालों को यह समस्या ज़्यादा होती है।

थक जानाः अगर आप बहुत जल्दी थक जा रहे हैं तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। अगर रूटीन काम करते हुए भी आपको यह लगे कि बॉडी साथ नहीं दे रहा है तो हो सकता है कि आप दिल के मरीज बन गए हों इसलिए एक बार डॉक्टर को ज़रूर दिखाएं

दोनों हाथों में दर्दः अगर आपको दोनों हाथ में, गर्दन में, जबड़े में, कंधों के आसपास या फिर बैक साइड में रह कर दर्द होता है तो इसे सामान्य समझने की गलती न करें। यह भी हार्ट अटैक का एक साइलेंट संकेत हैं।

कोल्ड स्वेटिंगः अगर आपको ठंड में भी पसीना आ रहा है तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। भूक नहीं लग रहा, चक्कर आ रहा है आपको अक्सर उल्टी जैसा महसूस हो रहा है तो यह भी कमजोर हार्ट का सिंगल है

प्रोस्टेट कैंसर की देर से पहचान बन सकती है गंभीर परेशानियों की वजह, एक्सपर्ट ने बताए बड़े खतरे

भारतीय पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर बन गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, चुनौती केवल प्रोस्टेट कैंसर के बढ़ते मामलों की नहीं है, बल्कि बीमारी की पहचान में होने वाली देरी भी बड़ी चिंता है। पश्चिमी देशों में नियमित स्क्रीनिंग के जरिए प्रोस्टेट कैंसर का शुरुआती चरण में पता चल जाता है, लेकिन भारत में कई मरीज तब डॉक्टर के पास पहुंचते हैं जब कैंसर प्रोस्टेट से बाहर फैल चुका होता है। ऐसे मामलों में कैंसर हड्डियों और रीढ़ की हड्डी तक पहुंच सकता है, जिससे गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

जागरूकता बढ़ी, लेकिन इलाज के लिए अब भी देर से पहुंच रहे हैं मरीज

सर गंगा राम अस्पताल के यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट और रोबोटिक सर्जन डॉ. अश्विन मलाया ने कहा, " पहले प्रोस्टेट कैंसर के ज्यादातर मरीज बड़े शहरों से आते थे, लेकिन अब छोटे शहरों से भी बड़ी संख्या में

मरीज पहुंच रहे हैं। यह जागरूकता बढ़ने का संकेत है, लेकिन कई पुरुष अब भी बीमारी के काफी बढ़ जाने के बाद इलाज के लिए पहुंचते हैं।

प्रोस्टेट कैंसर से हो सकती हैं ये अन्य समस्याएं

डॉ. अश्विन मलाया कहते हैं कि, जब प्रोस्टेट कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैलता है तो यह अक्सर रीढ़ की हड्डी को प्रभावित कर सकता है। इससे कमर दर्द, पैरों में कमजोरी, चलने में परेशानी, सुन्नपन या झुनझुनी और पेशाब या मल पर नियंत्रण खत्म होना गंभीर संकेत हो सकते हैं। ये लक्षण रीढ़ की हड्डी पर दबाव यानी स्पाइनल कॉर्ड कम्प्रेशन की ओर इशारा कर सकते हैं, जो एक मेडिकल इमरजेंसी है।

किन संकेतों को नहीं करना चाहिए नज़रअंदाज़?

डॉक्टर कहते हैं कि लगातार पेशाब संबंधी समस्याओं, हड्डियों में दर्द या लंबे समय से बने कमर दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि परिवार में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास रहा हो, तो इससे पहले भी जांच की आवश्यकता हो सकती है। समय पर जांच ही प्रोस्टेट कैंसर के न्यूरोलॉजिकल नुकसान से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

प्रोस्टेट कैंसर की शुरूआती जांच के लिए कौन से टेस्ट करने चाहिए?

डॉ. अश्विन मलाया के अनुसार, शुरुआती चरण में पता चलने पर प्रोस्टेट कैंसर का इलाज काफी प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रोस्टेट कैंसर की शुरुआती जांच में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन (PSA) ब्लड टेस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि PSA का स्तर असामान्य हो या जांच के दौरान कैंसर का संदेह हो, तो मल्टी-पैरामेट्रिक एमआरआई और MRI-TRUS फ्यूजन बायोप्सी जैसी जांचों की मदद ली जाती है। इन जांचों से बीमारी की पहचान सटीक तरीके से करने में मदद मिलती है।

डॉ. मलाया ने कहा जागरूकता बढ़ने के बावजूद, लगभग 50 प्रतिशत प्रोस्टेट कैंसर मरीज पहले से ही स्टेज 4 में होते हैं।

सुबह खाली पेट खाएं एक चम्मच अलसी

आज के समय में लोगों की लाइफस्टाइल इतनी बिगड़ चुकी है कि लोग अक्सर कई स्वास्थ्य समस्याओं से घिरे रहते हैं। ऐसे में सुबह अपनी डाइट में सीड्स को शामिल कर आप खुद को फिट और हेल्दी रख सकते हैं। अलसी का बीज एक बेहद पौष्टिक सुपरफूड है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से खाली पेट अलसी के बीज का सेवन करने से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर होते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना सुबह खाली पेट अलसी खाने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1. दिल की सेहत के लिए

अलसी में भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से धमनियों में ब्लॉकेज का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, जिससे आपका दिल सेहतमंद रहता है।

2. पाचन तंत्र के लिए

गलत खानपान की वजह से आजकल कब्ज और गैस की समस्या आम हो चुकी है। अलसी में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। सुबह खाली पेट एक चम्मच अलसी खाने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, पेट खुलकर साफ होता है और पुरानी से पुरानी कब्ज की समस्या दूर होती है।

3. वजन घटाने में सहायक

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं, तो अलसी आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखते हैं, जिससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती और आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं।

4. त्वचा और बालों के लिए

अलसी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करते हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दुर्गा मंच के पास विवाद, गाली-गलौज कर युवक को जान से मारने की धमकी

महासमुंद। ग्राम भलेसर में दुर्गा मंच के पास पुराने विवाद को लेकर एक युवक के साथ गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत के बाद महासमुंद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर की रात करीब 8.45 बजे ग्राम भलेसर के भाटापारा स्थित दुर्गा मंच के पास प्रार्थी आलोक यादव, पिता श्यामलाल, उम्र 37 वर्ष, निवासी ग्राम भलेसर के साथ विवाद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी राजू कुर्रे, पिता राम गुलाल, निवासी ग्राम भलेसर ने प्रार्थी को अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। प्रार्थी की रिपोर्ट पर महासमुंद पुलिस ने अपराध क्रमांक 642/26 में धारा 296, 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पुराने विवाद पर गाली-गलौज के बाद युवक को पीटा

सरायपाली। पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने युवक से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। घटना के बाद सरायपाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 24 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे प्रार्थी के घर के सामने यह घटना हुई। प्रार्थी प्रकाश भोई, पिता स्वर्गीय जगन्नाथ भोई, उम्र 49 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11, बाजार पारा, शंकर कॉलोनी सरायपाली ने रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि पुराने विवाद को लेकर आरोपी संदीप भोई, पिता भागीरथी, निवासी ग्राम जोगनीपाली, ने उसके साथ अश्लील गाली-गलौज की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट की। प्रार्थी की रिपोर्ट पर सरायपाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 365/26, धारा 296, 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चार लोगों ने घेरकर मारपीट, जान से मारने की धमकी

महासमुंद। ग्राम नरसिंहपुर में चार लोगों द्वारा एक ग्रामीण से गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने और हाथ-मुक्कों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर बसना पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 24 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे ग्राम नरसिंहपुर में प्रार्थी हेमकुमार साहू, पिता मुनिवार साहू, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम चोरमुट्टी के साथ विवाद हुआ। आरोपियों में दीवाकर बारिक, सविता साहू, सुनीता प्रधान और गोसाई राम शामिल हैं। सभी का पता ग्राम नरसिंहपुर बताया गया है। प्रार्थी के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ अश्लील गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। रिपोर्ट पर बसना पुलिस ने अपराध क्रमांक 590/26 में धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के समन्वय से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

बस्तर के किसानों एवं ग्रामीणों की आय संवृद्धि के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग जरूरी : सिद्धार्थ कोमल परदेशी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बस्तर संभाग में किसानों एवं ग्रामीणों की आय में वृद्धि करने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना आवश्यक है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने जगदलपुर में संभाग स्तरीय खरीफ समीक्षा एवं रबी 2026 की तैयारी बैठक में कहा कि बस्तर में कृषि के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, कुक्कुटपालन और अन्य आजीविका गतिविधियों को जोड़कर किसानों की आय के विविध स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण परिवारों को वर्षभर रोजगार और आमदनी के अवसर मिलेंगे तथा खेती पर मौसम और बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी कम किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि बस्तर की भौगोलिक परिस्थितियों, प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय कृषि पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं तैयार की जानी चाहिए, जिनसे किसानों को कम लागत में अधिक लाभ मिल सके। एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कृषि भूमि, जल संसाधन और कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग करते हुए उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने एकीकृत कृषि प्रणाली की उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि किसान केवल



पारंपरिक फसलों पर निर्भर रहने के बजाय खेती के साथ पशुपालन, मत्स्यपालन, सब्जी उत्पादन, फल एवं अन्य उद्यानिकी फसलों को भी अपनाएं। खेतों के आसपास उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों का चयन करने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है।

उन्होंने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन को जोड़ने से जैविक खाद की उपलब्धता बढ़ती है, जबकि फसल अवशेषों का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में किया जा सकता है। इसी प्रकार सिंचाई एवं जल उपलब्धता के अनुरूप खेतों में डबरी निर्माण कर मत्स्यपालन और उसके आसपास सब्जी उत्पादन जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। इस तरह एक ही कृषि इकाई से विभिन्न माध्यमों से आय अर्जित करने की संभावनाएं विकसित होती हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि बस्तर संभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए स्थानीय जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कृषि आधारित आजीविका मॉडल विकसित करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, कृषि यंत्रों का उपयोग, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण तथा बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए भी उपयोगी मॉडल तैयार किए जा सकते हैं। इससे सीमित भूमि वाले किसान अपनी उपलब्ध जमीन का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। वहीं ग्रामीण परिवारों को कृषि के साथ अन्य गतिविधियों से आमदनी प्राप्त होने पर आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने जोर देते हुए कहा कि कृषि आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना भी जरूरी है।

श्री यंत्र महामेरू शक्तिपीठ में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन, पूर्णाहुति में उमड़े हजारों श्रद्धालु

सुबह 3 बजे से शुरू हुए वैदिक अनुष्ठान, महाकुंभ अभिषेक और दीप आराधना के बाद संपन्न हुआ तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। पवित्र नगरी अमरकंटक के सोनमुड़ा रोड स्थित श्री यंत्र महामेरू शक्तिपीठ में 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का सोमवार को विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच समापन हुआ। महोत्सव के अंतिम दिवस पूर्णाहुति कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को प्रातः 3 बजे से ही धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम शुरू हो गया। निर्धारित विधि-विधान के अनुसार यज्ञ मंडप पूजन, स्पर्श आहुति, मूर्ति संबंधी वैदिक विधान, प्राण-प्रतिष्ठा, महाकुंभ अभिषेक और दीप आराधना सहित विभिन्न धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराई गईं।

इसके पश्चात विधिवत पूर्णाहुति दी गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से आयोजन में शामिल हुए।

हजारों श्रद्धालुओं ने लिया पुण्य लाभ

श्री यंत्र महामेरू शक्तिपीठ में आयोजित इस धार्मिक महोत्सव में अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन पूर्णाहुति में शामिल होकर भक्तों ने पूजा-अर्चना की और धर्म लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की सहभागिता से आयोजन की गरिमा और भव्यता बढ़ी। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला।

वैदिक अनुष्ठानों के साथ हुआ समापन

23 अक्टूबर से प्रारंभ हुए प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन अंतिम दिवस पर पूर्णाहुति के साथ हुआ। यज्ञ, अभिषेक, आराधना और अन्य धार्मिक विधियों के माध्यम से महोत्सव को पूर्णता प्रदान की गई। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति और सहभागिता के बीच संपन्न हुआ यह आयोजन धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। आयोजन के सफल समापन के साथ शक्तिपीठ परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

उद्योगपति संजय गुप्ता को विद्यावाचस्पति (पीएचडी) की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

वाणिज्य एवं प्रबंधन क्षेत्र में शोध कार्यों और सामाजिक योगदान के लिए मिला सम्मान, नई दिल्ली में आयोजित हुआ समारोह



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। उद्योगपति संजय गुप्ता को पंडित दीनदयाल उपाध्याय विद्यापीठ, वृंदावन धाम (मथुरा) द्वारा विद्यावाचस्पति (पीएचडी) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान वाणिज्य एवं प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त शोध कार्यों तथा सामाजिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

नई दिल्ली स्थित होटल रेडिसन इन में आयोजित सम्मान समारोह में विद्यापीठ की प्रबंध कार्यकारिणी की अनुशंसा पर संजय गुप्ता को यह मानद उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यापीठ के कुलपति डॉ. इंदु भूषण मिश्र तथा रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के पूर्व कुलपति पद्मश्री डॉ. अरविंद कुमार के करकमलों से उन्हें सम्मानित किया गया।

संजय गुप्ता को वाणिज्य एवं प्रबंधन के क्षेत्र में उनके कार्यों, शोध के प्रति समर्पण तथा सामाजिक गतिविधियों में योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया जाना गौरव का विषय है। इससे पूर्व भी उन्हें राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर विभिन्न सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

उनकी इस उपलब्धि से शुभचिंतकों एवं परिचितों में हर्ष का माहौल है। यह सम्मान उनके कार्यों और समाज के प्रति योगदान को मिली एक महत्वपूर्ण पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजपा ने किया मल्लिकार्जुन खड़गे का पुतला दहन

गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई कथित अमर्यादित एवं अभद्र टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आज गौरेला के संजय चौक में मल्लिकार्जुन खड़गे का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह एवं भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने टिप्पणी के प्रति नाराजगी जताते हुए विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव, कन्हैया राठौर, नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे, कुबेर सर्राटी, राजकुमार रोहणी, कामता यादव, संतोष तिवारी, सौरभ साहू, अरुण तिवारी तथा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा युवा मोर्चा जिला महामंत्री महेश राठौर, जिला उपाध्यक्ष रजनीश तिवारी, यश तिवारी, रिजवान बिट्टू, विक्रम राठौर, प्रखर नामदेव सहित युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति एकजुटता प्रदर्शित की और सार्वजनिक जीवन में मर्यादित भाषा एवं राजनीतिक शिष्टाचार बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रकृति, रोमांच और आस्था का अनूठा संगम बन रहा धमतरी

जबर्रा के जंगलों में नाइट ट्रेकिंग और कैंपिंग से वनांचल पर्यटन को मिली नई उड़ान



धमतरी ■ दैनन्दिनी

पर्यटन के नए क्षितिज पर धमतरी, जबर्रा में साहसिक गतिविधियों से बढ़ा आकर्षण प्राकृतिक सौंदर्य, विशाल जलाशयों, समृद्ध वनांचल और ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण धमतरी जिला पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में वनग्राम जबर्रा में आयोजित दो दिवसीय 'नाइट ट्रेकिंग एवं कैंपिंग' कार्यक्रम ने इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन की संभावनाओं को नई दिशा दी है। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (YHAI) की धमतरी इकाई द्वारा आयोजित अभियान को विधायक श्री ओंकार साहू ने सिहावा चौक से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें छत्तीसगढ़ सहित इस एडवेंचर कैंप में तीन राज्यों (छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र) के 11 अलग-अलग शहरों से आए 46 प्रकृति प्रेमियों, प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

दो दिवसीय आयोजन में प्रतिभागियों ने डोंगरी ट्रेकिंग, कैंपफायर और घने जंगलों के बीच नदी किनारे रात्रिकालीन ट्रेकिंग का रोमांच अनुभव किया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में नाइट ट्रेकिंग, कैंपिंग, बर्ड वाचिंग और स्टार गेजिंग (तारे देखना) जैसी साहसिक गतिविधियां शामिल थीं । प्रतिभागियों ने स्वयं नाश्ता तैयार कर सामूहिक सहभागिता का परिचय दिया, वहीं दूसरे दिन 15 किलोमीटर लंबे 'ट्रैक्टर ट्रेल' ने रोमांच बढ़ाया। इस दौरान सुरक्षित भव फाउंडेशन के डॉ. संदीप धूपड़ ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी।

धमतरी कलेक्टर ने जिले की पर्यटन संभावनाओं को रेखांकित करते हुए बताया कि गंगरेल जलाशय में वॉटर स्पोर्ट्स और कयाकिंग जैसी गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं, जबकि जबर्रा का प्राकृतिक वातावरण कैंपिंग, ट्रेकिंग और नेचर ट्रेल के लिए अनुकूल है। वहीं सिहावा में महानदी का उद्गम स्थल, श्रृंगी ऋषि आश्रम, कर्णेश्वर महादेव मंदिर, रुद्रेश्वर मंदिर और मां अंगारमोती मंदिर धार्मिक पर्यटन को विशिष्ट पहचान देते हैं। इन स्थलों का समन्वित विकास धमतरी को प्रमुख पर्यटन गंतव्य बनाने में सहायक होगा।

प्रकृति आधारित पर्यटन के विस्तार से स्थानीय युवाओं को गाइड, होम-स्टे, परिवहन, पारंपरिक खानपान, कैंपिंग और हस्तशिल्प के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ स्थानीय संस्कृति को भी प्रोत्साहन मिलेगा। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को प्राथमिकता देते हुए किए जा रहे प्रयास धमतरी को मध्य भारत के पर्यटन मानचित्र पर प्रकृति, रोमांच और आस्था के आकर्षक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रतिभागियों को जबर्रा की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक कलाओं और सघन वन क्षेत्र से रूबरू कराया गया।

शहरी पर्यटकों को पारंपरिक छत्तीसगढ़ी भोजन (जैसे चीला, फरा, मुठिया) बेहद पसंद आता है। युवा इसके जरिए कैटरिंग और फूड स्टॉल का व्यवसाय शुरू कर रहे हैं।

जबर्रा और आसपास के वन क्षेत्रों के महुआ, शहद, हर्बल उत्पाद और पारंपरिक हस्तशिल्प की बिक्री से महिलाओं और कारीगरों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है।

किसना ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में अपना एक्सक्लूसिव शोरूम लॉन्च किया

रायपुर ■ दैनन्दिनी



किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने रायपुर, छत्तीसगढ़ के पांडरी रोड पर अपने 6ठे एक्सक्लूसिव शोरूम के भव्य उद्घाटन की घोषणा की। इस शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्ण ग्रुप के संस्थापक श्री घनश्याम ढोलकिया ने किया, जो किसना के रिटेल विस्तार में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

हरि कृष्ण ग्रुप के संस्थापक श्री घनश्याम ढोलकिया ने कहाः "रायपुर में किसना के लिए काफी संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ में हमारे 6ठे एक्सक्लूसिव शोरूम का खुलना, राज्य में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है। इस त्योहारी सीजन में, हम ग्राहकों का स्वागत डायमंड और सोने की ज्वेलरी की बेहतरीन रेंज और शानदार ऑफर्स के साथ करने के लिए तैयार हैं, जो दिवाली के जश्न को और भी खास बना देंगे। यह विस्तार हमें हमारे 'हर घर किसना' के विजन के और करीब लाता है, जिसका उद्देश्य हर भारतीय परिवार तक डायमंड ज्वेलरी की पहुंच बनाना है।"

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ श्री पराग शाह ने कहा, "किसना में, हमारा फोकस ग्राहकों को बेहतरीन डिज़ाइन और शानदार कारीगरी का संगम देने पर है। रायपुर में हमारे नए एक्सक्लूसिव शोरूम में, ग्राहक डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी की एक विस्तृत रेंज देख सकते हैं। इसके साथ ही, यहाँ खास फेस्टिव कलेक्शन और आकर्षक ऑफ़र भी उपलब्ध हैं। हम ग्राहकों को एक शानदार शोरूम अनुभव देने के लिए तत्पर हैं। साथ ही, हमारे 'शॉप एंड विन' कैंपेन के ज़रिए ग्राहकों के पास कार या स्कूटर जीतने का मौका भी है।" किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर - डॉ. अभिलेश केशरवानी ,डॉ आर डी गुप्ता (पुत्र अंकुश गुप्ता) ,श्री संदीप गुप्ता ,श्री सुखदेव केशरवानी ने कहा, "किसना के साथ जुड़ना और भरोसे व बेहतरीन कारीगरी की इसकी विरासत को रायपुर लाना हमारे लिए गर्व की बात है। हरि कृष्ण ग्रुप के सहयोग और विशेषज्ञता के साथ, हम ग्राहकों को उपहार देने, त्योहारों और जीवन के खास मौकों के लिए डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के कई विकल्प उपलब्ध कराने के लिए उत्साहित हैं। हमारा लक्ष्य ग्राहकों के हर अनुभव को यादगार बनाना है, और उन्हें ऐसी ज्वेलरी से जोड़ना है जो उनके जश्न में और भी चमक बिखेर दे।" इस भव्य लॉन्च के अवसर पर, किसना कई शानदार ऑफर लेकर आया है। इनमें डायमंड और सोने की ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर 100% तक की छूट और केवल 25% डाउन पेमेंट पर 'डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन' शामिल है। ग्राहक अपने पुराने सोने को एक्सचेंज भी कर सकते हैं और डायमंड ज्वेलरी की खरीदारी पर उसकी 105% वैल्यू पा सकते हैं।

:- संपादकीय :-

पोषण के भ्रामक दावे

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रचार के खेल में फिल्मी व ग्लैमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फामूर्ले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फामूर्ले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फामूर्ला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं।निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि ह्यशिशु दुग्ध विकल्प अधिनियमह्ल के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं।

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र

योगेश कुमार गोयल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया



संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है।दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाने लगा।अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है।

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढि?ा रहने वाला है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेंगी। उन्हें पुराने किए गए कार्यों से वाह वाही मिलेगी। कोई नया सामान खरीदना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा है। आप अपने धन का कुछ हिस्सा दान-पुण्य के कार्य में भी लगाएंगे। मां दुर्गा को मीठे का भोग लगाएं, दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। करियर को बढ़ाने में किए गए प्रयासों के चलते लाभ होगा। संतान की सफलता के कारण घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। भाई और बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। बच्चे आज किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मांगेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई किसी काम में आपकी मदद करेंगे। समाज में आज आप बढि?ा कार्यों के कारण पहचाने जाएंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉर्मेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज कोई जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के जरिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियां आप आसानी से निभा लेंगे, पिताजी आपसे बहुत खुश होंगे। इस राशि के जो लोग मूर्ति बनाने के काम से जुड़े हैं, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा। परिवार में सभी आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। जिम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आज हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज आपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बनाकर खिला सकती हैं। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का आज ध्यान रखने की जरूरत है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बिताएंगे। पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने में बड़े बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें। किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में रहेगा। अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगाएंगे, इससे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते हैं, वे सोशल मीडिया की मदद से सीखेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ सकती है।

सू- दोकू क्र. 197

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

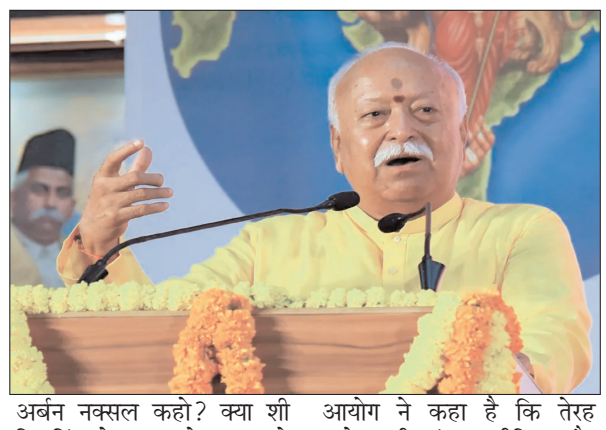
सू-दोकू क्र.196का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

नजरिया — हरिशंकर व्यास

किसने भारतीयों को ही भारत का दुश्मन बनाया?

सवाल है, कौन भारत को भीतर से तोड़ रहा है? किस विदेशी ताकत ने भारतीय नागरिकों को कॉकरोच कहा? किसने अपने ही देश के बुद्धिजीवियों, छात्रों, पत्रकारों और आंदोलनकारियों को टुकड़े-टुकड़े गैंग, अर्बन नक्सल और देशविरोधी करार दिया? किस विदेशी सरकार ने भारत के करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए? और किस विदेशी खुफिया एजेंसी ने उन नागरिकों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया, जो अपना मताधिकार बचाने की माँग कर रहे हैं? मतलब भारत में भारतीयों को ही संदिग्ध बनाने की राजनीति है किसकी?क्या मोहन भागवत या संघ के पास इसका जवाब है? भागवत कहते हैं कि विदेशी ताकतें भारत को भीतर से तोडना चाहती हैं। तो भीतर से भारत के नागरिकों को तोडने, बाँटने, हाशिए पर डालने का काम चौदह वर्षों में किसने किया है? भारत के भीतर भारतीयों को बदनाम करने के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ट्रंप ने कहा था कि भारत के असहमत नागरिकों को टुकड़े-टुकड़े गैंग बताओ? क्या पुतिन ने कहा था कि विश्वविद्यालयों में सवाल पूछने वाले छात्रों को



अर्बन नक्सल कहो? क्या शी जिनपिंग ने भारत के यूथ को कॉकरोच कहने का सुझाव दिया था?सवाल मोदी सरकार की उस राजनीतिक संस्कृति का है, जिसमें नागरिक समूहों को कीड़े-मकोड़ों के प्रतीकों में प्रस्तुत करना दो टूक सत्य है। इससे सार्वजनिक तमाशा, नैरेटिव बनाना भी 2014 से शुरू एक प्रामाणइक सिलसिला है। आज भारत का लोकतंत्र भारत में जन्म लेने वाले नागरिकों के वोट अधिकार छीन रहा है। चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों से लगभग 13.39 करोड़ मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूचियों से बाहर हैं। इन्हें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरी प्रविष्टियों की श्रेणियों में ऐसे रखा गया है, जैसे यमराज के यहाँ हिसाब लग रहा हो। यों चुनाव आयोग ने कहा है कि तेरह करोड़ की संख्या जीवित और पात्र नागरिकों के मताधिकार समाप्त होने का प्रमाण नहीं है। इसमें लगभग 2.80 करोड़ प्रविष्टियाँ मृत व्यक्तियों की और 1.02 करोड़ दोहरी प्रविष्टियों की संभव हैं। बावजूद इसके 6.30 करोड़ मतदाता तो स्थायी रूप से स्थानांतरित और 3.01 करोड़ को अनुपस्थित या लापता बता रखा है! सबसे बड़ी बात नौजवान भारतीयों के हक को दस तरह से सताते हुए उन्हें लटकाना, अटकाना, भगाना तो जगजाहिर है ही। तब वे क्यों कॉकरोच कहला कर संसद मार्ग पर आंदोलन करें या सोशल मीडिया पर सरकार की ऐसी-तैसी न करें?भारत का नौजवान आज यदि नौकरी और परीक्षा की अनियमितताओं पर आंदोलन करे तो राजनीति (विदेशी साजिश) से प्रेरित। विश्वविद्यालयों में सवाल पूछे तो टुकड़े-टुकड़े गैंग। किसान आंदोलन करे तो आंदोलनजीवी। सरकार की नीतियों का विरोध करे तो अर्बन नक्सल। 2026 की अगस्त में तो प्रधानमंत्री मोदी के लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के भाषण में हद थी, जो उन्होंने भारतीयों को 'दिमागी नक्सलइ की पहचान करके उन्हें अलग-थलग करने की बात कही।नागरिक तिरंगा लेकर प्रदर्शन करना चाहते हैं तो वे कानून तोड़कर पत्रकार सवाल पूछें तो वे देश के दुश्मन? जब नागरिकों के बीच ही देशभक्त और देशद्रोही, असली भारतीय और संदिग्ध भारतीय, समर्थक और दुश्मन की रेखाएँ खींची जा रही हैं, समाज में अविश्वास पैदा हो रहा है तो इन सबके लिए विदेशी शक्तियों को जिम्मेदार ठहरा देना। क्या उससे पहले देश के भीतर निर्णय लेने वालों की जवाबदेही नहीं होनी चाहिए?

2026 के भारत में भारत के लोगों की नीयत पर शक किया जा रहा है। मताधिकार माँगने वाले को अराजकतावादी बूझा जा रहा है। जबकि मोहन भागवत, नरेंद्र मोदी इसका ठीकरा किस पर फोड़ रहे हैं?

विचार

सस्ते इलाज के लिए केवल कड़े नियम ही काफी नहीं

हर नागरिक को सरकारी पॉलिसी के मकसद पर सवाल उठाने का संवैधानिक हक है। हाल ही में राज्यसभा में निजी सदस्य विधेयक के रूप में सांसद डा. अजीत गोपछडे ने नैशनल मैडिकल प्राइसिंग एंड रैगुलेशन कमीशन बिल, 2026 पेश किया। मंशा यह कि अस्पताल का एक बिल चंद हफ्तों में परिवार की सारी जमापूंजी चट कर देता है, इसलिए इस बिल का मकसद निष्पक्षता, पारदशिता और किफायती इलाज है, पर सवाल यह उठता है कि इलाज के लिए जिस गुणवत्ता व पारदर्शिता के भरोसे मरीज हैं, उसे कायम रखे बगैर इलाज सस्ता कैसे होगा? आम लोगों तक सस्ती और उम्दा दवाइयां पहुंचानी हैं तो केवल दाम पर लगाम की कवायद की बजाय सरकारी जन औषधि स्टोरों से दवाओं की उपलब्धता बढ़ाई जाए।

एक समान दाम व्यावहारिक नहीं : जिला स्तर का नसिग होम व टशयरी केयर अस्पताल एक ही तरह का ऑप्रेशन करते हैं, पर इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टाफ, टैक्नॉलोजी व एमरजैंसी बैकअप में बड़ा फर्क है। एक के पास आई.सी.यू. की बेहद सीमित क्षमता है तो दूसरे के पास 24 घंटे ट्रॉमा सेवा, उन्नत इमेजिंग, एडवांस आई.सी.यू. और इंफैक्शन रोकथाम की मजबूत व्यवस्था। पी.ई.टी. सी.टी. स्कैनर, लीनियर एक्सेलेरेटर या रोबोटिक सर्जिकल प्लेटफॉर्म जैसी मशीन ही 5 करोड़ रुपए से अधिक की आती है। औसत एक-समान दाम कम साधन वाले अस्पताल के लिए कमाई और एक एडवांस अस्पताल के लिए घाटे का सौदा है। ऐसे में नए एडवांस और हाईटैक अस्पताल बनने बंद हो जाएंगे। मकसद पारदर्शिता, उचित दाम, क्षमता निर्माण होना चाहिए, न कि कड़ी सख्ती। 29 लाख बैड चाहिएं, हैं सिर्फ 8 लाख : सवाल यह नहीं कि भारत में कितने अस्पताल हैं, बल्कि सवाल यह कि आम आदमी को घर के पास, वक्त पर, किफायती, अच्छा इलाज बिना आ?थक संकट के मिलता है या नहीं। देश में 1.62 लाख सब-हैल्थ सैंटर, 31,000 प्राइमरी हैल्थ सैंटर (पी.एच.सी.), 6000 कम्युनिटी हैल्थ सैंटर (सी.एच.सी.) और 1275 सब डिस्ट्रिक्ट और 767 जिला अस्पताल जैसे बड़े सरकारी नैटवर्क के बावजूद नैशनल हैल्थ पॉलिसी 2017 के तहत प्रति 1000 आबादी के लिए 2 बैड के तय मानक से बहुत पीछे हैं। 145 करोड़ की आबादी के हिसाब से अस्पतालों में करीब 29 लाख बैड चाहिएं जबकि हमारे अस्पतालों की बैड क्षमता सिर्फ 8,18,661 है।

कहां दिखेगी अब वह लपक-झपक

पता चला कि सरकार तो उन छोटे-छोटे बच्चों की चाल समझने में ही विफल हो गई, जिन्हें आजकल ह्यजेन-जीह्ल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने पुलिस को चिढ़ा दिया और सरकार का मजाक बना दिया।न तो यह छड़ी घुमाकर झोले से कबूतर निकालने वाला कोई जंतर-मंतर था, न कोई जादू-टोना और न ही कोई टोटका। सच पूछो तो जी, यह जंतर-मंतर कभी वेधशाला थी, अर्थात? सूरज, चांद और सितारों की चाल समझने वाली जगह। लेकिन फिर यह सरकार की चाल समझने और उसका विरोध करने वाली जगह बन गई।लेकिन जी, सरकार की चाल समझने का गुमान चाहे कितना ही पाल लो, भला सरकार की चाल कौन समझ सकता है? उलटे, सरकार ही तरह-तरह की खुफिया एजेंसियों के जरिए जनता की चाल समझने में लगी रहती है। लेकिन फिर पता चला कि सरकार तो उन छोटे-छोटे बच्चों की चाल समझने में ही विफल हो गई, जिन्हें आजकल जेन-जी के नाम से जाना जाता है। उन्होंने पुलिस को चिढ़ा दिया और सरकार का मजाक बना दिया।फिर एक अखबार के जरिए पता चला कि चुनाव आयोग भी कोई चाल चल रहा है। सो, लोगों ने फिर जंतर-मंतर का रुख कर लिया। अब लोगों के पास जंतर-मंतर था, तो सरकार के पास भी टोटकों की कोई कमी थोड़े ही है! सो, उसने कह दिया, नहीं भैया, अब जंतर-मंतर बंद! चाहो तो रामलीला मैदान चले जाओ, चाहो तो बुराड़ी और चाहो तो कड़कड़डूमा भी जा सकते हो। पर जंतर-मंतर बंद!तो जी, इस तरह अब जंतर-मंतर प्रदर्शन-स्थल नहीं रहा। अब वहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें देखने को नहीं मिलेंगी।अरे, पकड़ो इसको, पकड़ो! इस लड़के को पकड़ो, उस लड़की को पकड़ो! अरे, यह लड़की ही तुम्हारे काबू में नहीं आ रही! डालो इसको बस में, बस में डालो! अरे रे, देखो, वो बस का शीशा तोड़कर भाग रहे हैं! अरे, देखो, वह लड़की तो बस की चाबी ही लेकर भाग गई है! पकड़ो उसे!अब बच्चे वहां पुलिस को चिढ़ाते हुए नहीं मिलेंगे कि, अंकल, आज लाठियां नहीं चलाओगे क्या? प्लीज, चला लो! अब वे उन्हें यह कहकर नहीं चिढ़ाएंगे कि, घर जाकर क्या कहोगे कि बच्चों को पीटकर आ रहे हैं?अब वहां रीलें बनती नहीं दिखेंगी।

शब्द सामर्थ्य -198

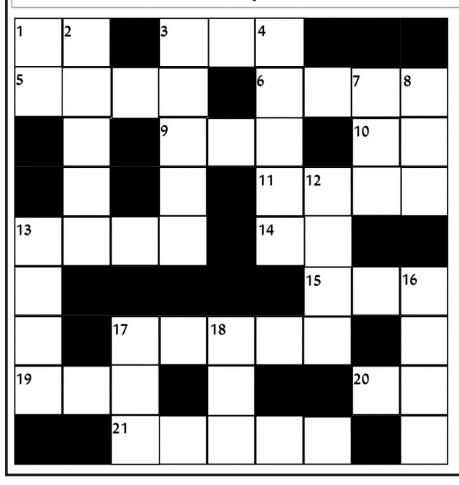
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 197 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

कवर्धा में लाखों लीटर पानी बर्बाद ! भोरमदेव रोड की पानी टंकी से व्यर्थ बह रहा जल

एक ओर सरकार जल संरक्षण का संदेश दे रही, दूसरी ओर नगर पालिका की कथित लापरवाही से पानी की बर्बादी जारी

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। एक ओर केंद्र और राज्य सरकारें जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लगातार अभियान चला रही हैं, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका परिषद कवर्धा में पानी की बर्बादी का मामला सरकारी प्रयासों की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। कवर्धा के भोरमदेव रोड स्थित पानी टंकी से पानी व्यर्थ बहने की शिकायत सामने आई है। इस तरह पानी की बर्बादी जारी रहना नगर पालिका की जल प्रबंधन व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी पर सवाल खड़े करता है।

सरकारी प्रयासों पर पानी फेरती लापरवाही!

जल ही जीवन है और प्रत्येक बूंद का अपना महत्व है। गर्मी हो या सामान्य मौसम, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना नगरीय निकाय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके बावजूद यदि पानी की टंकी से लगातार पानी बहकर व्यर्थ जा रहा है, तो यह व्यवस्था की गंभीर खामी मानी जाएगी। बहते पानी को समय रहते रोकने के लिए आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं, यह जांच का विषय है।

कुंभकर्णीय नींद में जिम्मेदार, जनता के संसाधनों की चिंता किसे?

भोरमदेव रोड की पानी टंकी से पानी बहने के मामले ने नगर पालिका परिषद कवर्धा के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर पानी की टंकी की नियमित निगरानी कौन कर रहा है? यदि पानी व्यर्थ बह रहा है, तो संबंधित जिम्मेदारों को इसकी जानकारी क्यों नहीं है? क्या नगर पालिका के जिम्मेदारों को जल संरक्षण की जिम्मेदारी का एहसास नहीं है? इन सवालों का जवाब नगर पालिका प्रशासन को देना चाहिए। सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा और पेयजल की बर्बादी रोकना केवल कागजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नगरीय प्रशासन का बुनियादी दायित्व है।

जल संरक्षण के नारे नहीं, धरातल पर कार्रवाई जरूरी



सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास तभी सफल होंगे, जब स्थानीय निकाय भी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करेंगे। यदि पानी की टंकी से लगातार पानी व्यर्थ बह रहा है, तो संबंधित विभाग को तत्काल निरीक्षण कर समस्या का कारण पता लगाना चाहिए तथा आवश्यक मरम्मत और निगरानी की व्यवस्था करनी चाहिए।

नगर पालिका परिषद कवर्धा को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पानी की बर्बादी रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि पानी व्यर्थ बहने की स्थिति कितने समय से बनी हुई है और इसकी रोकथाम के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

अब देखना यह है कि नगर पालिका प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जल संरक्षण की दिशा में ठोस कार्रवाई करता है या फिर पानी की बर्बादी के बीच जिम्मेदारों की चुप्पी यूं ही बरकरार रहती है।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से जिले में बारिश की संभावना

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से चक्रवाती तूफान 'अर्नब' की संभावना को देखते हुए छत्तीसगढ़ में मौसम प्रभावित होने की आशंका है। इसके प्रभाव से मुंगेली जिले में 29 अक्टूबर तक वर्षा होने की संभावना जताई गई है। इसे ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग ने जिले के किसानों को फसलों, सब्जियों, फलदार पौधों एवं पशुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। तेज हवा और वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में जल निकासी की व्यवस्था, कटी फसलों का सुरक्षित भंडारण तथा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

कृषि विभाग की उपसंचालक ने कहा है कि आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए पकने की अवस्था में पहुंच चुकी धान, दलहन एवं तिलहन फसलों की कटाई अगले दो से चार दिनों तक टालने की सलाह दी गई है। जिन किसानों ने कटाई शुरू कर दी है, वे कटी हुई फसलों को जल्द से जल्द सुरक्षित एवं सूखे स्थान पर रखें। खेतों में अतिरिक्त पानी जमा होने से फसलों को नुकसान हो सकता है, इसलिए जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें। किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने तथा फसलों में कीट या रोग के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद आवश्यकतानुसार कीटनाशक एवं कवकनाशक का छिड़काव करने की सलाह दी गई है। उतेरा फसल के रूप में तिवरा या अलसी की बुवाई करने वाले किसान फिलहाल कुछ दिनों तक बुवाई स्थगित रखें। वहीं, रबी फसलों की बुवाई नवंबर माह के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ करने की सलाह दी गई है। वर्षा एवं तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए सब्जी उत्पादक किसानों को भी विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। फूलगोभी, ब्रोकली, चुकंदर, पछेती खीरा और पछेती करेला जैसी रबी सब्जियों की बुवाई नवंबर माह के प्रथम सप्ताह से शुरू करने को कहा गया है। लौकी, करेला सहित अन्य सब्जियों को तेज हवाओं से बचाने के लिए उचित सहारा देने की व्यवस्था करें। जिन केले के पौधों में फूल या फल आ चुके हैं, उन्हें बांस अथवा अन्य उपयुक्त साधनों से सहारा दें, ताकि तेज हवा से पौधों के गिरने या टूटने की आशंका कम हो सके।

रेगाखार-झलमला में रेत परिवहन पर सवाल, अवैध निकासी की शिकायतों पर कार्रवाई का इंतजार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वनांचल में रेत के कथित अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। रेगाखार और झलमला के आसपास नदी-नालों से रेत निकालकर दर्जनों ट्रैक्टरों के माध्यम से परिवहन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप है कि क्षेत्र में जहां भी नदी या नाला है, वहीं से रेत निकालकर निर्माण कार्यों के लिए पहुंचाई जा रही है। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आने से वन विभाग, खनिज विभाग और राजस्व विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। सबसे गंभीर पहलू प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को रेत की आपूर्ति से जुड़ा है। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि हितग्राहियों को 4500 से 5000 रुपये प्रति ट्रैक्टर की दर से रेत बेची जा रही है। हालांकि, इस दर, रेत के स्रोत और कथित अवैध परिवहन की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। ऐसे में संबंधित विभागों द्वारा मौके पर जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।



नदी-नालों से रेत निकासी की शिकायतें

रेगाखार और झलमला क्षेत्र में रेत परिवहन को लेकर उठ रही शिकायतें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और खनिज नियमों के पालन से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय हैं। यदि बिना वैध अनुमति रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है, तो यह नियमों का उल्लंघन हो सकता है। ऐसे मामलों में केवल ट्रैक्टरों की आवाजाही पर नजर रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि रेत निकासी के वास्तविक स्थल, परिवहन दस्तावेजों और आपूर्ति के स्रोत की भी जांच आवश्यक है।

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ में लागू खनिज नियमों के तहत अवैध उत्खनन और परिवहन के मामलों में प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, संबंधित नदी-नालों और भूमि की स्थिति के आधार पर पर्यावरणीय शर्तों तथा अन्य लागू नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों पर आर्थिक बोझ का सवाल

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि हितग्राहियों को 4500 से 5000 रुपये प्रति ट्रैक्टर की दर से रेत खरीदनी पड़ रही है, तो रेत की उपलब्धता, कीमत और आपूर्ति के स्रोत की जांच महत्वपूर्ण हो जाती है। यह पता लगाया जाना चाहिए कि रेत वैध स्रोत से लाई जा रही है या नदी-नालों से कथित अवैध निकासी के जरिए निर्माण स्थलों तक पहुंचाई जा रही है।

यदि अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है, तो इससे शासन के राजस्व को नुकसान पहुंचने और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका भी है। हालांकि, किसी विशेष दर को अनुचित या अवैध ठहराने के लिए स्थानीय बाजार दरों, परिवहन लागत और संबंधित नियमों के आधार पर तथ्यों की पुष्टि जरूरी है।

विकसित भारत जी राम जी योजना ने पकड़ी रफ्तार, 41940 से अधिक ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

जिले के 442 ग्राम पंचायतो में 977 कार्य प्रगति पर

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के 442 ग्राम पंचायतों में 977 निर्माण कार्य विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्रामीणों की मांग पर खोले गए हैं। जिसमें 41945 ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। कलेक्टर कबीरधाम श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायतों में बड़ी मात्रा में श्रम मूलक कार्य जिला पंचायत द्वारा प्रारंभ किया गया हैं। योजना अंतर्गत प्रतिदिन निर्माण कार्यों में श्रमिकों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और ग्रामीणों को अपने गांव में रोजगार मिल रहा है। नया तालाब निर्माण,पुराने तालाबों का गहरीकरण,डबरी निर्माण, आजीविका डबरी, कंटूर ट्रेंच निर्माण, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम शेड निर्माण एवं कच्ची नाली निर्माण जैसे अनेक कार्य चल रहे है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि



जी राम जी योजना प्रारंभ दिनांक 1 जुलाई 2026 से अब तक 368753 मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को प्राप्त हो चुका है। योजना अंतर्गत कार्य पूरा करने पर प्रतिदिन ₹300 का मजदूरी भुगतान ग्रामीणों को मिल रहा है। वर्तमान में जिले के 442 पंचायतो में कार्य हो रहे हैं। एनएमएमएस के द्वारा कार्यरत श्रमिकों की फेस ऑथेंटिकेशन के द्वारा हाजिरी दर्ज की जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल संरक्षण एवं जल संचय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार योजना



द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही आजीविका की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आजीविका डबरी, निजी डबरी और पशु शेड निर्माण जैसे अनेक कार्य हो रहे हैं। जिससे स्थानीय ग्रामीण आत्मनिर्भर होकर आर्थिक रूप से सशक्त हो सकेंगे। निर्माण कार्यो में तेजी लाने गत दिवस कलेक्टर कबीरधाम द्वारा मैदानी कर्मचारियों की बैठक लेकर ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देशो के परिपालन में सभी मैदानी कर्मचारी लगातार अपने क्षेत्र का भ्रमण कर कार्य प्रारंभ करवा रहे हैं। ग्रामीणों से अपील की जाती है कि वह अपने गांव में रोजगार की मांग कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

कार्यालय से नदारद साहब, हर बार एक ही जवाब फील्ड पर हैं अधिकारी

जल संसाधन उप संभाग-02 में अधिकारी की अनुपस्थिति पर सवाल, नहर-नालियों के निर्माण में दरारों ने निगरानी व्यवस्था की खोली पोल



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। परिवहन कार्यालय के पास स्थित जल संसाधन उप संभाग-02(जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय के समीप) में अनुविभागीय अधिकारी की कार्यालय में कथित तौर पर लगातार अनुपस्थिति अब विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है।

कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को अधिकारी नहीं मिलते, वहीं मौजूद कर्मचारियों से पूछने पर एक ही जवाब मिलता है—साहब फील्ड पर हैं। सवाल यह है कि यदि अधिकारी लगातार क्षेत्र के निरीक्षण में व्यस्त हैं, तो उनके कार्यक्षेत्र में हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल क्यों उठ रहे हैं।

जल संसाधन उप संभाग-02 (जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय के समीप) के कार्यालय में अधिकारी की उपलब्धता को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है। विभागीय कामकाज के सिलसिले में कार्यालय पहुंचने वालों को अधिकारी से मुलाकात नहीं हो पाती। कर्मचारियों से पूछताछ करने पर अधिकारी के फील्ड में होने की जानकारी दी जाती है, लेकिन उनके कार्यालय लौटने का समय स्पष्ट नहीं बताया जाता। ऐसे में लोगों को अपने काम के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ने की स्थिति बनती है।

फील्ड में रहने का दावा, निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल

क्षेत्र में नहर और नालियों के निर्माण कार्यों में बरसात से पहले ही दरारें आने की शिकायतें सामने आई थीं। यदि संबंधित अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में रहकर निर्माण कार्यों की निगरानी कर रहे थे, तो निर्माण में खामियां कैसे रह गईं। क्या कार्यों का तकनीकी निरीक्षण समय पर हुआ था, क्या निर्माण की गुणवत्ता की जांच की गई और दरारें सामने आने के बाद जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई हुई। इन सवालों का जवाब विभागीय जांच और संबंधित अधिकारियों के पक्ष से ही स्पष्ट हो सकेगा।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की निगरानी संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे में फील्ड में रहने की बात और निर्माण कार्यों में सामने आई खामियों के बीच की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। यदि निर्माण में तकनीकी खामियां पाई गई हैं, तो उनकी जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

स्थानीय होने की चर्चा जवाबदेही पर सवाल

क्षेत्र में कुछ लोगों का कहना है कि अधिकारी स्थानीय हैं, इसलिए वे निवास से ही विभागीय कामकाज निपटा लेते हैं। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि अधिकारी कार्यालय में किस समय उपलब्ध रहते हैं और आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए क्या व्यवस्था है।

सरकारी कार्यालय केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान और विभागीय जवाबदेही के केंद्र होते हैं। जल संसाधन उप संभाग-02 (जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय के समीप)में अधिकारी की उपलब्धता, नहर-नालियों के निर्माण की गुणवत्ता और बरसात से पहले आई दरारों की जांच जरूरी है। अब देखना होगा कि विभाग के उच्चाधिकारी इन सवालों पर संज्ञान लेकर वस्तुस्थिति की जांच कराते हैं या मामला केवल जवाबों तक सीमित रह जाता है।

कलयुगी नाबालिग पुत्र ने की टंगिया से वार कर सौतेली माँ की हत्या

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोरमी थाना अंतर्गत वनांचल के ग्राम खुड़िया चौकी में एक गंभीर वारदात सामने आई है, कलयुग के नाबालिक कुपुत्र ने अपनी सौतेली मां की चरित्र शंका के नाम से निर्मम हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने नाबालिग बालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार लोरमी थानांतर्गत खुड़िया चौकी में रविवार को नाकापारा निवासी प्रतिभा नेताम 45 वर्ष पति स्व भीखम नेताम की धारदार टँगीय से वार कर नाबालिग पुत्र ने हत्या कर दिया।

पुलिस ने बताया कि कलयुगी पुत्र 16 वर्षीय नाबालिक बेटे ने अपनी सौतेली मां के चरित्र को लेकर शंका करता था जिसे लेकर कल रात उसने अपनी सौतेली माँ को मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर मृतका के शव को पंचनामा कर बाद पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रवाना किया है।

पुलिस ने मामले में तत्काल मामले में विधि से संघर्ष बालक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। मामले को लेकर लोरमी थाना प्रभारी पवन देवांगन ने बताया कि विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लेकर पुलिस अग्रिम कार्यवाही कर रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)

पता :- पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग, कमरा क्र. 18, कलेक्टोरेट के सामने, Phone No. 07752-250593, Email ID-eebil-phe-cg@gov.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 09 / निविदा प्रकोष्ठ/का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड/2026-27 बिलासपुर दिनांक 23.10.2026

मुहरबंद निविदायें नीचे उल्लेखित कार्य हेतु प्रपत्र "अ" प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में ई-पंजीयन प्रणाली की 'डी' एवं उच्च श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 06.11.2026 सायं 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र विक्रय करने की अंतिम तिथि - 09.11.2026 सायं 5.30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट के माध्यम से) - 11.11.2026 सायं 3:00 बजे तक
4. निविदा खुलने की तिथि - 11.11.2026 अपरान्ह 4:00 बजे के पश्चात

कार्य का विवरण :- पी.एम. जनमन योजना के अंतर्गत जिला खनिज संस्थान न्यास (DMF) बिलासपुर से प्राप्त प्रशासकीय स्वीकृति एवं प्राप्त राशि से **विकासखण्ड कोटा के ग्राम टांटीधार के बसाहट-मगरडांड, बगधरा, एवं ग्राम करवां के बसाहट - बैगापारा, कटेलीपारा में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु 150 मि.मी. व्यास के 150 मीटर गहरे 01-01 नग** साधारण नलकूप खनन सामग्री सहित एवं समस्त सिविल कार्य। (संलग्न शेड्यूल अनुसार) **कार्य की लागत :-** रू. 2.62 लाख (प्रति समूह), **धरोहर राशि:-** रू. 2650.00 (प्रति समूह), **निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रू. 750.00 (प्रति समूह) **कार्य पूर्ण करने की अवधि :-** 01 माह वर्षा ऋतु सहित (प्रति समूह)।

निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी जैसे-पात्रता की शर्ते, मापदण्ड, प्राक्कलन इत्यादि अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय में दिनांक 05.11.2026 तक देखे जा सकते है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बिलासपुर (छ.ग.)

जी- 262704176/1

सारांश जैन का बड़ा कारनामा, एक पारी में झटके 7 विकेट, 99 रनों पर ऑल आउट हुई बिहार की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के तीसरे राउंड का मुकाबला खेला जा रहा है। इस चरण में एक मैच मध्य प्रदेश और बिहार की टीम के बीच होल्कर स्टेडियम इंदौर में खेला जा रहा है। सारांश ने मध्य प्रदेश के लिए खेलते हुए बिहार के खिलाफ मैच में पहली पारी में अकेले 7 विकेट लेकर सनसनी मचा दी। पारी में सारांश ने 13 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें उन्होंने सिर्फ 40 रन दिए। सारांश की इस घातक गेंदबाजी के आगे बिहार की पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। सारांश के अलावा आवेश खान ने 2 और कुमार कार्तिकेय ने 1 विकेट हासिल किया।



बिहार की टीम की तरफ से बल्लेबाजी बहुत खराब रही। टीम के सिर्फ 2 खिलाड़ी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। ओपनर बल्लेबाज मंगल महरौर ने संभलकर खेलते हुए 87 गेंदों में सबसे ज्यादा 42 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते रहे। मंगल के अलावा निचले क्रम के बल्लेबाज सूरज कश्यप ने किसी तरह 15 रन जोड़े। इन दोनों को छोड़कर बाकी पूरी टीम बल्लेबाजी में पूरी तरह फ्लॉप रही।

33 साल के गेंदबाज सारांश जैन ने मैच में अपना 5वां विकेट लेते ही एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। इस विकेट के साथ ही उन्होंने अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर में कुल 200 विकेट पूरे कर लिए हैं। सारांश ने यह शानदार मुकाम मध्य प्रदेश की टीम के लिए खेलते हुए ही हासिल किया है। खास बात यह है कि उनका यह प्रदर्शन उनके फर्स्ट क्लास करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। वह अपनी टीम के मुख्य गेंदबाज हैं और उन्होंने साल 2021-22 में मध्य प्रदेश को चैंपियन बनाने में भी बहुत अहम भूमिका निभाई थी।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कैसा रहा है सारांश का प्रदर्शन

33 साल के सारांश जैन ने साल 2014 में मध्य प्रदेश की टीम के साथ अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद से वह अब तक 60 फर्स्ट क्लास और 47 लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में गेंदबाजी करते हुए कुल 202 विकेट लिए हैं, जबकि लिस्ट ए मैचों में उनके नाम 38 विकेट दर्ज हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ वह अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2 शतक और 14 अर्धशतक लगाते हुए कुल 2312 रन बनाए हैं। सारांश ने इसी साल श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उस मैच में उन्होंने 3 विकेट हासिल किए थे।

IPL 2027 के लिए मिनी ऑक्शन की तारीख आई सामने, खिलाड़ियों पर बरसेगा पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों की मिनी-ऑक्शन का आयोजन 16 दिसंबर को गोवा में किया जाएगा। इसमें मजेदार बात यह है कि 16 दिसंबर को ही बेंगलुरु में भारत और श्रीलंका का दूसरा वनडे मैच भी होना है। इससे पहले सभी 10 टीमों को 15 नवंबर तक यह बताना होगा कि वे अपने किन पुराने खिलाड़ियों को टीम में रख रही हैं और किसे रिलीज कर रही हैं। इसके बाद ऑक्शन शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले टीमों को उन खिलाड़ियों की फाइनल लिस्ट और किस नंबर पर किसकी बोली लगेगी, इसकी पूरी जानकारी मिल जाएगी।



IPL 2026 का सीजन खत्म होने के बाद से आईपीएल में अब तक सिर्फ दो खिलाड़ियों की ही ट्रेड हुई है। आईपीएल के नियम के हिसाब से खिलाड़ियों के ट्रेड का यह समय सीजन खत्म होने के ठीक एक महीने बाद शुरू होता है और ऑक्शन से एक हफ्ता पहले तक खुला रहता है। इसके बाद यह विंडो दोबारा खुलती है और अगले सीजन के शुरू होने से ठीक एक महीने पहले तक चालू रहती है।

इसी साल जून में, लखनऊ सुपर जायंट्स टीम ने अपने कप्तान ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स को दे दिया और उसके बदले रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को अपनी टीम में शामिल कर लिया। इसके अलावा हाल ही में, दिल्ली ने अपने तेज गेंदबाज टी नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद को दे दिया और उनकी जगह युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी को अपनी टीम में ले लिया है, जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय (इंटरनेशनल) क्रिकेट नहीं खेला है। वह एक अनकैप्ड खिलाड़ी हैं।

आईपीएल ने अभी तक साल 2027 के सीजन की पक्की तारीखों का ऐलान नहीं किया है। हालांकि साल 2024 में अगले तीन सीजन की तारीखें बताते हुए 14 मार्च से 30 मई के बीच का समय रखा गया था। लेकिन इस साल सितंबर में बीसीसीआई की सालाना मीटिंग (AGM) के बाद, बोर्ड के सचिव देवाजीत सैकिया ने इशारा किया था कि टूर्नामेंट मार्च के आखिर में शुरू हो सकता है।

IPL 2028 से पहले होगा मेगा ऑक्शन का आयोजन

पिछली तीन आईपीएल ऑक्शन देश से बाहर हुई थी। साल 2024 की ऑक्शन दुबई में, 2025 की सऊदी अरब के जेद्दा में और 2026 की अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा। इन नीलामियों में टीमों के मालिकों, अधिकारियों, कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों को चुनने वाले प्रतिनिधियों को शामिल होना पड़ता है।

इतने सारे लोगों के लिए विदेश जाकर रहना, होटल बुक करना, गाड़ियों का इंतजाम करना और बाकी खर्चे उठाने न सिर्फ काफी महंगे पड़ते हैं, बल्कि इन्हें मैनेज करना भी बहुत पेचीदा काम होता है, खासकर मिनी ऑक्शन के लिए, जिसमें मेगा ऑक्शन के मुकाबले बहुत कम खिलाड़ियों को खरीदा जाना होता है।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में खलबली तीसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में हो सकते हैं दो बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का साउथ अफ्रीका दौरा जारी है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दो मैच हो चुके हैं और तीसरा मैच अभी बाकी है। दोनों टीमों ने एक एक मैच जीता है, इसलिए सीरीज अभी बराबरी पर है, तीसरे टेस्ट से ही तय होगा कि सीरीज पर किसका कब्जा होगा।

तीसरा और आखिरी मैच 27 अक्टूबर से शुरू होगा, इससे पहले ही टीम की प्लेइंग इलेवन में बदलाव की बात सामने आने लगी है। हो सकता है कि टीम दो बदलावों के साथ मैदान में उतरे।

साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 27 अक्टूबर से केपटाउन में शुरू होगा। इस बीच खबर है कि सलामी बल्लेबाज निक मैडिसन टीम से बाहर हो गए हैं। वहीं पता चला है कि स्टीव स्मिथ की गर्दन में दिक्कत है, हो सकता है कि वे भी आखिरी टेस्ट मैच मिस करें। पता चला है कि स्मिथ का फिटनेस टेस्ट होगा और उसे पास करने के बाद ही वे अगला मैच खेल पाएंगे। इतना ही नहीं सैम हार्पर भी टीम से बाहर हो सकते हैं। यानी जब मंगलवार से मैच शुरू होगा, तो दो से तीन बदलाव नजर आ सकते हैं।

अब सवाल ये है कि निक मैडिसन नहीं खेलेंगे तो फिर ओपनिंग की जिम्मेदारी कौन निभाएगा, इसमें सबसे पहला नाम मैथ्यू रेनशॉ का आता है। निक और सैम हार्पर टीम से रिलीज कर दिए गए हैं। इस बीच खबर है कि कैमरून ग्रीन और जोश इंग्लिश अपनी अपनी चोटों से ठीक हो गए हैं और उनकी वापसी की संभावना है।

निक मैडिसन ने करीब दस साल बाद टीम में वापसी की थी, लेकिन वे पहले दो टेस्ट में नाकाम रहे हैं, ऐसे में उन्हें बाहर जाना पड़ रहा है और अब इस बात की उम्मीद कम है कि वे फिर वापसी कर पाएंगे। वे अभी तक दो टेस्ट की 4 पारियों में कुल मिलाकर 56 रन ही बना सके हैं। दो बार तो उनका खाता भी नहीं खुला और शून्य पर आउट हो गए। एक पारी में उनके बल्ले से 48 रन आए और दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में वे महज 8 रन बनाकर आउट हो गए।

भुवनेश्वर कुमार की फॉर्म पर बॉलिंग कोच मोर्कल का बड़ा बयान, कहा- बाहरी शोर को भूलकर अपना नेचुरल गेम खेलना होगा

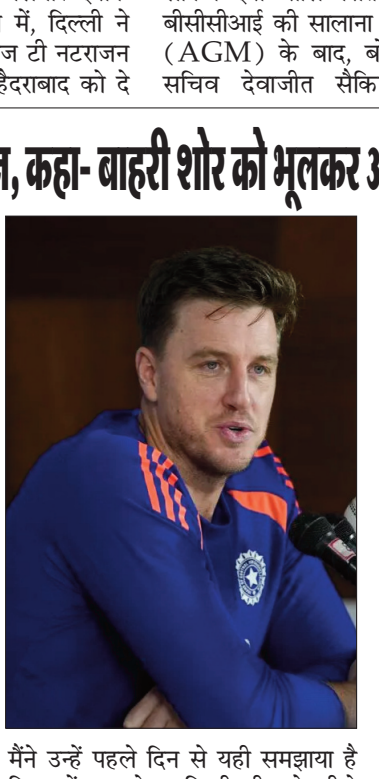
नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती दोनों मैच जीत लिए हैं, लेकिन गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। खासकर चार साल बाद टीम में वापसी करने वाले अनुभवी भुवनेश्वर कुमार के लिए ये दोनों मैच अच्छे नहीं रहे। उन्होंने दोनों मैचों को मिलाकर कुल 8 ओवर गेंदबाजी की और वहां 99 रन लुटाए और उन्हें सिर्फ एक ही विकेट मिला। खराब प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भुवनेश्वर का हौसला बढ़ाया है। मोर्कल ने साफ कहा कि भुवी को किसी भी तरह का दबाव लेने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना चाहिए।

भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी को लेकर मोर्कल ने क्या कहा?

मोर्कल ने कहा कि भुवनेश्वर के लिए उन्हें बुरा भी लगता है, क्योंकि चार साल बाद कमबैक करने के कारण उन पर बहुत ज्यादा उम्मीदों का दबाव है। हालांकि उन्होंने आईपीएल में बेहतरीन खेल दिखाया था, लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट का स्तर बिल्कुल अलग होता है जहां थोड़ी सी गलती की भी गुंजाइश नहीं होती। भुवी को अपने दिमाग से इस दबाव को बिल्कुल हटा देना चाहिए, क्योंकि वापसी के बाद उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के हिसाब से खुद को ढालने और ट्रेनिंग करने के लिए ज्यादा समय भी नहीं मिल पाया है।

भुवनेश्वर के पास अनुभव की कोई कमी नहीं है- मोर्ने मोर्कल

मोर्कल ने कहा कि हम सब जानते हैं कि भुवनेश्वर के पास हुनर और अनुभव की कोई कमी नहीं है, लेकिन क्रिकेट के खेल का सम्मान करते हुए हमें पिछले परिणामों को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए। टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए उन्हें अभी और मौके दिए जाने चाहिए।



मैंने उन्हें पहले दिन से यही समझाया है कि उन्हें घबराने या किसी चीज़ के पीछे भागने की जरूरत नहीं है। वे बस अपनी स्वाभाविक गेंदबाजी पर ध्यान दें और कुछ नया करने की कोशिश न करें। उन पर थोड़ा दबाव जरूर है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि वह हर मैच के साथ बेहतर प्रदर्शन करेंगे और अपनी पुरानी लय वापस पा लेंगे। उन्हें बाहर की आलोचनाओं और लोगों की बातों पर ध्यान देने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

36 साल के भुवनेश्वर कुमार ने हाल ही में साल 2025 और 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को चैंपियन बनाने में बहुत अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने आईपीएल 2026 के 16 मैचों में शानदार गेंदबाजी करते हुए 28 विकेट चटकाए थे। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। पहले मैच में उन्होंने 4 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 49 रन दिए और दूसरे मैच में 50 रन देकर सिर्फ 1 विकेट हासिल किया।

व्यापार

रूस से कच्चा तेल खरीदने में अब ज्यादा फायदा नहीं, सरकारी तेल कंपनी BPCL घटाएगी खरीद

मुंबई (एजेंसी)। सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम (BPCL) को आशंका है कि नवंबर में रूस से कच्चे तेल की खरीद घट सकती है। कंपनी के एक सीनियर अधिकारी ने सोमवार को ये जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि माल ढुलाई की बढ़ती लागत से रूसी कच्चे तेल की कीमत का फायदा कम हो रहा है, जबकि पश्चिम एशिया से तेल खरीदना व्यावसायिक रूप से ज्यादा फायदे का सौदा हो गया है।

कंपनी के डायरेक्टर (फाइनेंस) वेत्सा रामकृष्ण गुप्ता ने कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के मौके पर बातचीत में कहा, "हमें पूरी मात्रा मिल रही है, लेकिन कुछ चुनौतियां हैं।" उन्होंने कहा कि माल ढुलाई की ऊंची लागत के कारण नवंबर में रूसी कच्चे तेल की खेप में काफी कमी आई है। बीपीसीएल ने जुलाई-सितंबर तिमाही में अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का करीब 37 प्रतिशत तेल रूस से खरीदा था।

वैश्विक तनाव के कारण समुद्री परिवहन मार्गों में बाधाएं आने और माल ढुलाई के साथ-साथ इंश्योरेंस की लागत बढ़ने के बीच कंपनी ने कच्चे तेल की खरीद के स्रोतों में विविधता लाना जारी रखा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी ने अपनी रिफाइनरी का परिचालन जारी रखने के लिए पर्याप्त कच्चे तेल की व्यवस्था कर ली है।

गुप्ता ने बताया कि अक्टूबर में रूसी कच्चे तेल की कीमत स्टैंडर्ड कीमत से 12-13 डॉलर प्रति बैरल ज्यादा थी, जो हाल में घटकर करीब 1-2 डॉलर प्रति बैरल के प्रीमियम पर आ गई है। ऐसे में दिसंबर में रूस से तेल खरीदना आर्थिक रूप से ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, ये माल ढुलाई लागत और खरीद को



अंतिम रूप देते समय उपलब्ध पेशकश पर निर्भर करेगा।

वेत्सा रामकृष्ण गुप्ता ने कहा कि पश्चिम एशिया से मिलने वाला कच्चा तेल रूसी तेल की तुलना में व्यावसायिक रूप से ज्यादा फायदेमंद हो गया है और पहली तिमाही के मुकाबले पश्चिम एशिया से खरीद बढ़ी है। कंपनी को अक्टूबर और नवंबर में भी पश्चिम एशिया से ज्यादा मात्रा में कच्चा तेल मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है और प्रत्येक खेप की खरीद की लागत माल ढुलाई, इंश्योरेंस और सप्लाई की शर्तों के आधार पर अलग-अलग होती है। उनके अनुसार, स्रोत और आपूर्ति मार्ग के आधार पर बीपीसीएल की कच्चे तेल की औसत पहुंच लागत मानक कीमत से करीब 10-12 डॉलर प्रति बैरल ज्यादा रही।

कच्चे तेल की माल ढुलाई लागत बढ़ी है, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई लागत में उसी अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई है। इससे रिफाइनिंग मार्जिन पर दबाव पड़ा है। गुप्ता ने कहा कि तिमाही के दौरान सऊदी अरब से सप्लाई में सुधार के बाद कंपनी ने पश्चिम एशिया से खरीद बढ़ाई है। हालांकि, इराक और कुवैत से होने वाली सप्लाई अभी पूरी तरह सामान्य स्तर पर नहीं लौटी है। बीपीसीएल को अक्टूबर और नवंबर में पश्चिम से अपेक्षाकृत ज्यादा मात्रा में कच्चा तेल मिलने की उम्मीद है।

मुंबई एयरपोर्ट पर होने जा रहा बड़ा बदलाव

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए आने वाले महीनों में एयरपोर्ट से जुड़ा बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इंडिगो और एयर इंडिया ग्रुप ने अपनी कई उड़ानों को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (CSMIA) से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA) पर शिफ्ट करने का फैसला किया है। यह प्रक्रिया दिसंबर 2026 से चरणबद्ध तरीके से शुरू होने की योजना है और 2027 के गर्मियों के विमानन सीजन तक जारी रह सकती है। इस बदलाव का मकसद मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का पुनर्विकास करना और दोनों एयरपोर्ट के बीच उड़ानों का बेहतर बंटवारा करना है।

एयरलाइंस और एयरपोर्ट ऑपरेटर के मुताबिक, उड़ानों को नवी मुंबई एयरपोर्ट पर ट्रांसफर करने का काम एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग चरणों में किया जाएगा। इससे मौजूदा एयरपोर्ट पर भी ज्यादातर उड़ानों का संचालन जारी रह सकेगा। एयरलाइंस के पुराने ऑपरेटिंग स्लॉट को भी सुरक्षित रखने की योजना है, ताकि टर्मिनल-1 का काम पूरा होने के बाद वे अपनी पुरानी व्यवस्था में लौट सकें। हालांकि, उड़ानों को शिफ्ट करने की अंतिम तारीखें संबंधित मंजूरियों और परिचालन संबंधी तैयारियों पर निर्भर करेंगी।

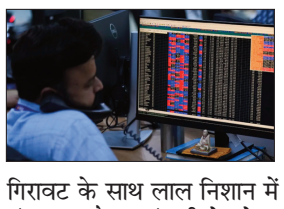
इंडिगो ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से संचालित होने वाली अपनी 12 दैनिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को नवी मुंबई एयरपोर्ट पर ट्रांसफर करने की प्लानिंग बनाई है।

बढ़त लेकर बंद हुआ शेयर बाजार- अडाणी पोर्ट्स, एटरनल समेत ये स्टॉक्स चमके

मुंबई (एजेंसी)। सोमवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त लेकर हरे निशान में बंद हुए। हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत और निफ्टी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। आज अडाणी पोर्ट्स, एटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। जबकि, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 482.92 अंकों (0.66 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,606.75 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 153.20 अंकों (0.68 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 22,753.20 अंकों पर बंद हुआ। बताते चलें कि पिछले हफ्ते बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी।

आज सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की 5 कंपनियों के शेयर



गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और 2 कंपनी के शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 37 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 13 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एलईजेड के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, प्राइवेट सेक्टर की NBFC बजाज फाइनेंस के शेयर आज सबसे ज्यादा 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। सोमवार को सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए।

सोमवार को बढ़त लेकर बंद हुए सेंसेक्स के ये स्टॉक्स

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज एटरनल के शेयर 2.56 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक 2.53 प्रतिशत, ट्रेंट 1.73 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.52 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.43 प्रतिशत, इंडिगो 1.39 प्रतिशत, आईटीसी 1.24 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.15 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.01 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.96 प्रतिशत, बीईएल 0.94 प्रतिशत, इन्फोसिस 0.91 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.90 प्रतिशत, एलएंडटी 0.88 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.78 प्रतिशत, एनटीपीसी 0.67 प्रतिशत, टाइटन 0.60 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.50 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.48 प्रतिशत, टीसीएस 0.32 प्रतिशत, एसबीआई 0.31 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।

सरकार ने 100% इथेनॉल वाले E100 फ्यूल को दी मंजूरी पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों में नहीं होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित कर दिया। इसके साथ ही, 100 प्रतिशत इथेनॉल वाले E100 फ्यूल से चलने वाली फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों का रास्ता साफ हो गया है। फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां E85 (85 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) और 100 प्रतिशत इथेनॉल वाले E100 ईंधन पर चलने के लिए भी सक्षम बनाए जाते हैं।

मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि 20 प्रतिशत से ज्यादा इथेनॉल वाले फ्यूल का इस्तेमाल सिर्फ उन्हीं गाड़ियों में किया जा सकेगा, जिन्हें ज्यादा इथेनॉल से चलाने के लिए डिजाइन और प्रमाणित किया गया है। इसका सीधा मतलब ये हुआ कि 20 प्रतिशत इथेनॉल वाले E20 पेट्रोल या सामान्य पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों में E85 या E100 फ्यूल का इस्तेमाल नहीं कर



सकेंगे।

नियमों में किए गए संशोधन के तहत वाहन वर्गीकरण की कुछ सीमाओं, ईंधन विनिर्देशों और उत्सर्जन संबंधी परीक्षणों में इस्तेमाल होने वाले तकनीकी संदर्भों में भी बदलाव किया गया है। इसके अलावा, इन बदलावों से प्रभावित हल्के पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए वजन की सीमा 3000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3500 किलोग्राम कर दी गई है।

सरकार कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने के लिए पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। देश में काफी पहले E20 पेट्रोल की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें 20 प्रतिशत इथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। मारुति सुजुकी इंडिया ने इस साल जून में देश का पहली फ्लेक्स-फ्यूल पैसेंजर कार वैगनआर लॉन्च किया था, जो E20 से लेकर E100 फ्यूल से भी चल सकती है।

मारुति के अलावा, टोयोटा, टाटा मोटर्स और हुंडई समेत अन्य ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियां भी भारतीय बाजार के लिए फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां डेवलप कर रही हैं। मंत्रालय ने इससे पहले व्हीकल एमिशन नियमों में भी संशोधन का प्रस्ताव दिया था, ताकि ज्यादा इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन और वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल का दायरा बढ़ाया जा सके।

बायोडीजल और हाइड्रोजन-सीएनजी मिश्रित फ्यूल लाने की भी तैयारी

केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य E85 और E100 के साथ B100 बायोडीजल और हाइड्रोजन-सीएनजी मिश्रित फ्यूल के इस्तेमाल का प्रावधान करना था।

गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज के लिए आधा खर्च देगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तेल और गैस का घरेलू भंडार बढ़ाने तथा आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक बड़ी घोषणा की है।

सरकार ने कहा है कि वो गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज के लिए कुओं की खुदाई में आने वाली कुल लागत का 50 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता के रूप में देगी। हालांकि, अगर खोज सफल रहती है, तो संबंधित कंपनियों को सरकार से मिली राशि राजस्व के माध्यम से लौटानी होगी।

वहीं, खोज में तेल या गैस नहीं मिलने की स्थिति में सरकार नुकसान वहन करेगी। सरकार की 84,084 करोड़ रुपये की 'समुद्र मंथन' योजना के तहत जारी परिचालन दिशानिर्देशों में ये व्यवस्था की गई है।

इसका उद्देश्य गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज से जुड़े शुरुआती वित्तीय जोखिम को कम करना और नई खोज को प्रोत्साहित करना है।

पारस संगम 2026 में प्रतिभाओं का सम्मान, 101 शिक्षकों को मिला गौरव

पाँच व्यक्तित्वों को मानद उपाधि, 11 शिक्षण संस्थानों एवं सेंटर संचालकों का सम्मान; झरना यादव की पढ़ाई के लिए 5,100 की सहायता

रायपुर ■ दैनन्दिनी





पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर 2026 को शहीद स्मारक भवन, घड़ी चौक, रायपुर में 'पारस संगम 2026–एक्सीलेंस अवॉर्ड' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, समाजसेवा, उद्यमिता, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य सेवा, युवा नेतृत्व, साहित्य, कला एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 101 शिक्षकों, 11 स्कूलों, कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों तथा पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के सेंटर संचालकों को सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करना तथा उनके योगदान को व्यापक पहचान दिलाना रहा। सम्मान समारोह के साथ विद्यार्थियों के स्वागत एवं विदाई कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

अतिथियों की उपस्थिति में हुआ सम्मान समारोह

समारोह में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी, बाल आयोग की अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त डॉ. वर्डिका शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा तथा केंद्रीय लोक शिकायत जांच आयोग से संबंधित प्रतिनिधि शिव पात्रे सहित विभिन्न क्षेत्रों के अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा सकीला खान, प्रीति रानी तिवारी, उमा कुशवाहा तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

पाँच व्यक्तित्वों को मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

समारोह में एस. के. शर्मा, ब्रजभूषण यादव, प्रिया गुप्ता, चंद्रप्रकाश नौरत्न एवं रुद्रवीर सोनी को उनके योगदान के लिए मानद उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर समाज एवं विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों को सराहा गया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिले एक्सीलेंस अवॉर्ड

कार्यक्रम में डॉ. राकेश सिंह गायकवाड़ एवं सार्थक को 'यूथ आइकॉन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। मोनिका इजारदार, सतीश कुमार मधुकर एवं पीयूष जैन को सामाजिक सेवा में योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। डी. पी. गोस्वामी को 'एकेडमी एक्सीलेंस अवॉर्ड' तथा दीपक्षा जैन को 'एकेडमी अवॉर्ड' दिया गया।

डॉ. उदयभान सिंह चौहान को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड', तपस्वनी सदावर्ती को 'एक्सीलेंस स्कूल अवॉर्ड' तथा डॉ. शेख मोहम्मद उस्मान को 'इंस्पिरेशनल पर्सनैलिटी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। राम तिवारी को उनके प्रेरणादायी योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

विशेष शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. प्रीति उपाध्याय तथा उच्च शिक्षा से जुड़ीं प्रोफेसर डॉ. रात्रि लहरी को भी सम्मानित किया गया। डीबी ग्राफिक को व्यावसायिक उद्यमिता, अश्विन कुमार को 'हमर छत्तीसगढ़' फिल्म प्रोडक्शन तथा वेदांस को फोटोग्राफी के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मान दिया गया। सुभाष चंद्र बोरके को 'पारस विधि साहित्य गौरव सम्मान' से नवाजा गया।

झरना यादव की पढ़ाई के लिए ₹5,100 की सहायता

शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की ओर से झरना यादव को उनकी पढ़ाई के लिए ₹5,100 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस पहल के माध्यम से फाउंडेशन ने प्रतिभाओं को सम्मानित करने के साथ विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

सहयोगी संस्थाओं एवं व्यापार जगत की रही सहभागिता

आयोजन को सफल बनाने में विभिन्न संस्थानों एवं सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनमें रुद्रांस बीड्स प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक गीता वर्मा, सम्राट कॉर्पोरेशन रायपुर के डायरेक्टर मोहन वल्यानी, आवेश कंप्यूटेक आईटी सॉल्यूशन के संस्थापक अजय साहू, महतो स्टूडियो के संचालक संजय महतो, डी. पी. गोस्वामी, अनिकिता भारद्वाज तथा द मदर्स इंटीग्रल एजुकेशन से तपस्वनी सदावर्ती का सहयोग शामिल रहा। छत्तीसगढ़ व्यापारी संघ के अध्यक्ष शेखर वर्मा एवं संघ के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

फाउंडेशन एवं संस्थान की टीम ने संभाली व्यवस्थाएँ

कार्यक्रम में पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं फाउंडर प्रेसिडेंट डॉ. कविता कुम्भज, सचिव मूलचंद कश्यप तथा कोषाध्यक्ष राहुल कुम्भज उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष ज्योति कुम्भज सहित फाउंडेशन एवं पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन से जुड़े सदस्यों ने कार्यक्रम के संचालन और व्यवस्थाओं में सहभागिता की।

इस अवसर पर आर. एन. भारद्वाज, रितु सिन्हा, शगुफ्ता तथा संस्थान की टीम से रानी, काजल, दीपिका, कृष्णा, प्रतीक, पायल, राधिका, नमन, आशीष, धनेश एवं मिलन सहित अनेक अतिथि और सहयोगी उपस्थित रहे।

वेलकम एवं फेयरवेल समारोह में विद्यार्थियों को मिले खिताब

कार्यक्रम के दूसरे चरण में पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों के लिए वेलकम एवं फेयरवेल समारोह आयोजित किया गया। इसमें नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा वरिष्ठ विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के अगले पड़ाव के लिए शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई।

फ्रेशर्स समारोह में केसरी को 'मिस फ्रेशर' का खिताब दिया गया। भाठागांव शाखा से प्रवीण को 'मिस्टर फ्रेशर' तथा तनु को 'मिस फ्रेशर' चुना गया। वहीं फेयरवेल समारोह में मनीष को 'मिस्टर फेयरवेल' तथा योग्यता को 'मिस फेयरवेल' का खिताब प्रदान किया गया।

शिक्षा, समाजसेवा और प्रतिभा प्रोत्साहन का साझा मंच

पारस संगम 2026 ने शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, उद्यमियों और विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान किया। सम्मान समारोह के माध्यम से समाज में सकारात्मक योगदान देने वाली प्रतिभाओं को पहचान मिली, वहीं वेलकम एवं फेयरवेल कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में उत्साह का संचार किया।

आयोजन के माध्यम से पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन ने शिक्षा, समाजसेवा और प्रतिभा प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समाजहित में कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान और विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग इस समारोह का प्रमुख संदेश रहा।

गरियाबंद में भाजयुमो का जोरदार प्रदर्शन, मल्लिकार्जुन खड़गे का पुतला दहन कर जताया विरोध



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पटना में आयोजित एक सभा के दौरान की गई कथित टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), जिला गरियाबंद ने जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित तिरंगा चौक पर एकत्रित होकर कांग्रेस अध्यक्ष के बयान के प्रति नाराजगी जताई और मल्लिकार्जुन खड़गे का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक विरोध में मर्यादित भाषा के इस्तेमाल की मांग करते हुए कथित टिप्पणी की निंदा की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच विचारों का मतभेद होना स्वाभाविक है। जनता के मुद्दों, सरकार की नीतियों और राजनीतिक निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक विरोध के दौरान व्यक्तिगत जीवन और परिवार को निशाना बनाने वाली टिप्पणियों से बचना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं से संयमित और जिम्मेदार भाषा की अपेक्षा की जाती है, क्योंकि उनके बयानों का प्रभाव समाज और राजनीतिक वातावरण पर भी पड़ता है।

जिला महामंत्री आशीष शर्मा ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित बयान का विरोध करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों के बीच मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सार्वजनिक मंचों से दिए जाने वाले बयानों में गरिमा बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस टिप्पणी का पुरजोर विरोध करती है। आशीष शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के आचरण पर भी नजर रखती है। ऐसे में नेताओं को अपनी भाषा और वक्तव्यों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सीमित करने के बजाय जनहित के मुद्दों पर स्वस्थ बहस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जिला कोषाध्यक्ष अजय रोहरा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सार्वजनिक मंचों से दिए जाने वाले बयानों में शब्दों का चयन सोच-समझकर किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व राजनीतिक परिस्थितियों और जनाधार में आ रही गिरावट को लेकर असहज है। उनके अनुसार, राजनीतिक दलों को जनता के बीच अपनी नीतियों और कार्यों के आधार पर समर्थन हासिल करने का प्रयास करना चाहिए।

अजय रोहरा ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन यह स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दौरान व्यक्तिगत टिप्पणियों के बजाय जनसमस्याओं, विकास, रोजगार और देशहित से जुड़े विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के कथित बयान की निंदा करते हुए सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और संयम बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक साहू ने कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद और आरोप-प्रत्यारोप लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं। विपक्ष को सरकार की नीतियों का विरोध करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन विरोध के दौरान भाषा की मर्यादा बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

भाजपा जिला कार्यालय में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय गरियाबंद में सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका स्मरण किया।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों को आत्मसात करने तथा उनके आदर्शों के अनुरूप समाज में समरसता और सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने महर्षि वाल्मीकि जी के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, जिला महामंत्री आशीष शर्मा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक साहू, पंडित पंकज तिवारी संजय सोनकर,गौतम शर्मा,शीतल सिंह, मोहनिस ठाकुर, आकाश सिंह राजपूत, ओंकार साहू,बादल साहू, रवि साहू, आयुष तिवारी,सोमेश्वर साहू, सूरज सिंह, मयंक सोनी, सोनू यादव, लालजी साहू, श्रेयांश शर्मा, हर्ष देवांगन, पीयूष सिंह, देवेश भन्दैलुकार, लोकेश सिन्हा, सोनू यादव, सूरज बीसी, प्रखर राजपूत, सर्जेव राव सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस, चुनावी पारदर्शिता पर उठाए सवाल



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। देश में मतदाता सूची की पारदर्शिता,मताधिकार की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर कांग्रेस ने 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के माध्यम से केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाए हैं।कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया,दोहरे पंजीकरण तथा चुनाव संबंधी आंकड़ों की पारदर्शिता को लेकर कई गंभीर सवाल सामने आए हैं।पार्टी ने इन मामलों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है।

सोमवार 26 अक्टूबर को जिला कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता मे AICC ऑब्जर्वर एवं महाराष्ट्र सांसद श्रीमती शोभा बच्छाव तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के गरियाबंद जिला प्रभारी विनोद चंद्राकर,जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा के साथ बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव उपस्थित थे।इस दौरान श्रीमती शोभा बच्छाव ने कहा कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा केवल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तक सीमित नहीं है,बल्कि यह प्रत्येक पात्र नागरिक के संवैधानिक मताधिकार और निष्पक्ष चुनाव से जुड़ा विषय है।पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची में होने वाले बदलावों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए,ताकि राजनीतिक दलों और आम नागरिकों को स्वतंत्र रूप से आंकड़ों का सत्यापन करने का अवसर मिल सके।

पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र,कर्नाटक के महादेवपुरा और आलंद विधानसभा क्षेत्रों तथा हरियाणा की मतदाता सूचियों से संबंधित कथित अनियमितताओं का हवाला देते हुए पारदर्शी जांच की मांग की है। पार्टी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार,राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाताओं की संख्या में लगभग 39 लाख की वृद्धि पर सवाल उठाए थे।वहीं,महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कथित अनियमितताओं के कारण 1,00,250 वोट प्रभावित होने का दावा भी किया गया था।

कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि इन मामलों में मूल आंकड़े, मतदाता पंजीकरण से संबंधित रिकॉर्ड और नाम जोड़ने-हटाने की प्रक्रिया का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए।इन आंकड़ों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

वही उन्होंने चुनाव आयोग की निर्णय प्रक्रिया और पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी ने चुनाव आयुक्तों की कथित आपत्तियों और मतदाता सूची से संबंधित फैसलों के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की है।दूसरी ओर,चुनाव आयोग ने सामने आए मतभेदों को संस्थागत कार्यप्रणाली ठप होने का प्रमाण मानने से इनकार किया है और कहा है कि एसआईआर से जुड़े फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी।

खेल-खेल में कचरा प्रबंधन सीख रहे बच्चे, इको क्लब ने अपनाया अनूठा तरीका

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रंगीन डस्टबिन और रोचक गतिविधियों से सिखाया जा रहा कचरे का वर्गीकरण, ई-वेस्ट संग्रहण में भी जुटे विद्यार्थी



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। स्वच्छता का पाठ जब खेल और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाया जाए, तो सीखना आसान होने के साथ-साथ रुचिकर भी बन जाता है। इसी सोच के साथ शासकीय रामबिशाल पांडेय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस राजिम) में विद्यार्थियों को कचरे के सही वर्गीकरण और प्रबंधन की जानकारी देने के लिए अनूठी पहल की जा रही है। यहां बच्चे केवल स्वच्छता के बारे में सुन नहीं रहे, बल्कि स्वयं कचरे की पहचान कर उसे सही डस्टबिन में डालने का अभ्यास भी कर रहे हैं।

इस गतिविधि के माध्यम से उनमें स्वच्छता, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी अच्छी आदतें विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय की इको क्लब प्रभारी समीक्षा गायकवाड़ ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा एवं स्वच्छ भारत अभियान के तहत विद्यालय में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यालय में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ऐसे में छोटे बच्चों को कचरे का उचित प्रबंधन सिखाना और उनमें शुरुआत से ही अच्छी आदतें विकसित करना चुनौतीपूर्ण कार्य है। बच्चों को केवल समझाने के बजाय खेल-खेल में सिखाने से वे बातों को आसानी से समझते हैं और उन्हें अपने व्यवहार में भी अपनाते हैं। इसी उद्देश्य से यह गतिविधि कराई जा रही है, जिसमें बच्चे मनोरंजन के साथ कचरे का वर्गीकरण, सही डस्टबिन का चयन और कचरे के उचित निपटान के तरीके सीख रहे हैं। गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों को छोटी-छोटी टोलियों में बांटा जाता है। विद्यालय परिसर में अलग-अलग रंगों के डस्टबिन रखे जाते हैं और बच्चों को विभिन्न प्रकार के कचरे के उदाहरण देकर उनकी पहचान करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद वे संबंधित कचरे को निर्धारित डस्टबिन में डालते हैं। इस अभ्यास में बच्चे उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और एक-दूसरे से सीखते हुए कचरे को अलग-अलग रखने का महत्व समझते हैं।बच्चों को फूल-पत्तियां, फलों के छिलके और खराब खाद्य पदार्थ जैसे गीले कचरे की पहचान कराई जाती है। वहीं, बिस्किट-चॉकलेट के रैपर, प्लास्टिक की झिल्लियां और बोतलों जैसे सूखे कचरे को अलग रखने का अभ्यास कराया जाता है। पुराने चार्जर और इस्तेमाल किए जा चुके सेल के उदाहरणों से इलेक्ट्रॉनिक कचरे यानी ई-वेस्ट के बारे में बताया जाता है।

सैनिटरी वेस्ट को अन्य कचरे से अलग रखने और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार उसका सुरक्षित निपटान करने की जानकारी भी दी जाती है। इस पहल में विद्यालय के इको क्लब के विद्यार्थी भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे छोटे बच्चों को कचरे की पहचान करने, उसका वर्गीकरण करने और सही डस्टबिन चुनने में मदद करते हैं। इससे छोटे बच्चों को साथियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिलता है, वहीं इको क्लब के विद्यार्थियों में नेतृत्व, सहयोग और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। विद्यालय में ई-वेस्ट के पृथक संग्रहण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यार्थी अपने घरों से अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक सामान लाकर इस अभियान में योगदान दे रहे हैं।

इस कार्य में पालकों का सहयोग भी मिल रहा है। एकत्रित ई-वेस्ट को सुरक्षित निपटान और पुनर्चक्रण के लिए अधिकृत संस्था को सौंपने की योजना है, ताकि इलेक्ट्रॉनिक कचरा सामान्य कचरे में मिलकर पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए।

विद्यालय की यह पहल बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाने के साथ-साथ उसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। खेल-खेल में सीखी जा रही ये छोटी-छोटी आदतें बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

पौष्टिक आहार बना चारागाह !





डोंगरगढ़ (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासन प्रशासनं के द्वारा महिला बाल विकास अधिकारी के देख रेख में महिला व आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से छोटे बच्चों व किशोरी के लिए उत्तम पौष्टिक आहार का वितरण सरकार के द्वारा कराई जा रही है परन्तु इन दिनों वही पौष्टिक आहार जो आँगन बाड़ी केंद्र के बच्चे व किशोरियों के मध्य वितरण किया जाना था वह पौष्टिक आहार सरे आम विकास खंड के ग्राम पंचायत मुसरा माड़ीतराई बेलगांव, जेटकनहार, घुसेरा ,भैंसरा, हरंगसिंघी, नागतराई,अछोली,क्षेत्र के एक व्यापारी के यहां बड़े पैमाने पर खपाने जाने की शिकायत सामने आ रही है शिकायत मिलने के बाद इन क्षेत्रों में शनिवार के दिन दिनांक 24अक्टूबर को देखा गया कि बड़े मात्रा में पौष्टिक आहार एक व्यापारी के पास सरे आम बेच दिया गया जाँच पड़ताल करने पर बताया गया कि उपरुक्त पौष्टिक आहार खराब हो चुकी है जिस कारण व्यापारी को दे दिया गया है परन्तु जांच करने पर देखा गया कि पौष्टिक आहार से भरे बोरी पर महिला बाल विकास अधिकारी डोंगरगढ़ के मोनो लगा हुआ था और उस बोरी पर मैनू फैक्ट्रीन एक्सपायरी वर्ष 2027 अंकित था उसको ले कर इस क्षेत्र के महिला बाल विकास के सुपर वाइजर मैडम उर्वशी राणे,मोनिका सुखतेल, प्रभारी अनन्या ठाकुर व जिला महिला बाल विकास अधिकारी दीपा शाह से प्रतिक्रिया लेने पर पहले तो अवकाश होने का बहाना बताया गया साक्ष्य देने पर गोल मोल जवाब देते हुए जांच के पश्चात प्रतिक्रिया देने की बात कही गई इस खुलासे के बाद विभाग के अधिकारी कर्मचारी पे हड़कम मचा हुआ है परन्तु सोमवार के दिन महिला बाल विकास कार्यालय पहुंच कर प्रतिक्रिया लेने का अथक प्रयास किया गया इधर सूत्रों का दावा है कि इतने बड़े पैमाने पर पौष्टिक आहार की अफरा तफरी बिना अधिकारी सुपर वाइजर के मिली भगत से संभव नहीं है परन्तु इसका पूरा खुलासा अधिकारियों के जांच के बाद ही हो पाएगा जो जिले के बड़े अधिकारियों के लिए जांच का विषय बना हुआ है।

संभावित चक्रवात 'अर्नब' का खतरा- छत्तीसगढ़ में हाई अलर्ट जारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य में पड़ने की संभावनाओं के मद्देनजर शासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसे लेकर मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चक्रवात के मद्देनजर 27 से 29 अक्टूबर तक आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी जुड़े। अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चक्रवात से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखी जाए और मौसम संबंधी चेतावनियों को पूरी गंभीरता से लिया जाए। बैठक में मुख्य जोर शून्य जनहानि सुनिश्चित करने पर रहा। इसके तहत विशेष रूप से दक्षिण बस्तर क्षेत्र के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों में अत्यधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जहां तेज हवाएं चलने की संभावना है। राहत शिविरों को 24 घंटे संचालित रखने और उनमें सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सचिव को चिकित्सा सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के प्रबंध करने को कहा गया है।



किसानों को फसलों से संबंधित विस्तृत एडवाइजरी जारी करने तथा चक्रवात से फसलों और पशुधन को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। एनडीआरएफ (छक्त्थ्) और एसडीआरएफ (ैक्त्थ्) की टीमों को निर्धारित स्थानों पर पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने बैठक में बताया कि तेज हवाओं से कच्चे मकानों को होने वाले संभावित नुकसान का आकलन किया जाए और संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। बिजली के खंभे गिरने से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए विद्युत विभाग को तैयार रहने को कहा गया है। साथ ही, दूरसंचार सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तेज हवाओं के कारण यदि पेड़ गिरते हैं, तो उन्हें तत्काल हटाने की व्यवस्था करने को कहा गया है ताकि सड़क मार्ग अवरुद्ध न हों और आवागमन सुचारू बना रहे। होर्डिंग्स और अन्य असुरक्षित संरचनाओं की स्थिति का भी आकलन करने पर जोर दिया गया है।

इस उच्चस्तरीय बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया के अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य शासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी मुस्तैदी दिखाने को कहा है।



आयुक्त तारन प्रकाश सिन्हा ने बेमेतरा जिले में वीबी-जी राम जी योजना के कार्यों का किया सघन निरीक्षण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) योजना के आयुक्त एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संचालक श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने बेमेतरा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों का रविवार को दौरा कर ग्रामीण रोजगार, जल संरक्षण, अधोसंरचना विकास एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीण परिवारों की मांग के अनुरूप अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने तथा स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री सिन्हा ने धार-अपार अभियान के अंतर्गत नदी किनारे संचालित जल संरक्षण एवं ट्रेंच निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यस्थल पर नियोजित 138 श्रमिकों से संवाद कर उन्हें योजना के प्रावधानों एवं समय पर मजदूरी भुगतान की जानकारी दी। उन्होंने श्रमिकों की उपस्थिति एनएमएमएस ऐप के माध्यम से स्वयं दर्ज कर कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया। आयुक्त श्री सिन्हा ने ग्राम पंचायत ताला में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन तथा ग्राम पंचायत चारभाठा में स्कूल शौचालय निर्माण कार्य का निरीक्षण कर इन्हें प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बाबामोहतरा में आयोजित चौपाल में उन्होंने ग्रामीणों, स्व-सहायता समूह की दीदियों एवं श्रमिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगारमूलक एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े कार्यों पर चर्चा की गई। उन्होंने ग्रामीणों की भागीदारी से उपयोगी एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत जेवरा (एन) में 26 एकड़ क्षेत्र में किए गए फलदार वृक्षारोपण कार्य का अवलोकन कर आयुक्त श्री सिन्हा ने ग्राम पंचायत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य पर्यावरण संरक्षण के साथ भविष्य में ग्रामीणों की आजीविका के अवसर बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। आयुक्त श्री सिन्हा ने ग्राम पंचायत कठिया में पोस्ट मानसून जलदूत ऐप के माध्यम से कुओं के जलस्तर मापन कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं एक कुएं के जलस्तर की रीडिंग लेकर उसे ऐप में अपलोड किया। इससे मानसून के बाद भूजल स्तर की स्थिति का आकलन करने तथा जल संरक्षण संबंधी कार्ययोजना तैयार करने में सहायता मिलेगी। मैदानी निरीक्षण के उपरांत आयुक्त श्री सिन्हा ने बेमेतरा सर्किट हाउस में जिला पंचायत एवं जिले की समस्त जनपद पंचायतों के अधिकारियों-कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को योजना से जोड़ने, समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदलें: डेका



रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने युवाओं से अपने नए विचारों को स्टार्टअप में बदलने, नवाचार को अपनाने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है और युवाओं के विचार देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। स्टार्टअप की संभावनाएं अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों में भी नए उद्यम आकार ले रहे हैं। युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, चार शोधार्थियों को पीएचडी तथा 464 विद्यार्थियों को स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देकर नए उद्यम शुरू कर सकते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी क्षमता, ज्ञान और रचनात्मकता के बल पर रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ें। अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदलें, अपनी जगह स्वयं बनाएं और सफलता के बाद समाज को न भूलें।उन्होंने कहा कि समाज ने प्रत्येक व्यक्ति को बहुत कुछ दिया है, इसलिए समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव हमेशा बना रहना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन की एक पारी के समापन और दूसरी पारी की शुरुआत का प्रतीक है। आगे का जीवन चुनौतियों और संघर्षों से भरा हो सकता है, लेकिन मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास से उनका सामना किया जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि के क्षेत्र में करियर बनाना चाहिए, जिससे उन्हें संतुष्टि मिले और वे सफलता हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि अर्जित ज्ञान और कौशल के माध्यम से परिवार, समाज और देश के प्रति दायित्व निभाने का अवसर है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि सही-गलत का विवेक विकसित करना और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। युवाओं को डिग्री को अंतिम मंजिल नहीं मानना चाहिए, बल्कि निरंतर सीखने और नए प्रयोग करने की प्रवृत्ति बनाए रखनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आज के विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मोबाइल के युग में आगे बढ़ रहे हैं।

इन तकनीकों के पीछे भी मानवीय बुद्धि का योगदान है। उन्होंने डिजिटल लत और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से युवाओं को दूर रहने की सलाह दी। जरूरत के अनुसार ही मोबाइल का उपयोग करने तथा परिवार, मित्रों और समाज के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर दिया।राज्यपाल ने कहा कि शांति और सुरक्षा से विकास को गति मिलती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के प्रभाव में कमी के बाद बने विकास के अवसरों तथा बस्तर में आजीविका के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों के विकास की आवश्यकता भी बताई। अपने संबोधन में राज्यपाल ने युवाओं से बड़े सपने देखने, उन्हें साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने और असफलताओं से निराश हुए बिना नए प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण में सभी का योगदान आवश्यक है। युवाओं को अपनी तरक्की के साथ समाज के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपने ज्ञान और हुनर का उपयोग राष्ट्र के समग्र विकास के लिए करना चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामचंद्र जहांगीर ने स्वागत भाषण दिया। छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष श्री वी.के. गोयल ने भी संबोधित किया। समारोह में हाई कोर्ट के पूर्व जज श्री गौतम भादुड़ी, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल एवं कार्य परिषद के सदस्य, प्राध्यापकगण, पालक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।



फिंगरप्रिंट नहीं मिलने पर भी हितग्राहियों को मिलेगा राशन, वैकल्पिक व्यवस्था का है प्रावधान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन प्राप्त करने के लिए फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने पर भी पात्र हितग्राहियों को राशन उपलब्ध कराने की वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान है। बुजुर्गों सहित ऐसे हितग्राही, जिन्हें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण में परेशानी होती है, वे नियमानुसार नॉमिनी (नामांकित व्यक्ति) अथवा ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन प्राप्त कर सकते हैं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने से यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है कि संबंधित हितग्राही को राशन नहीं मिल सकता। रायपुर जिले के खाद्य नियंत्रक ने इस संबंध में स्पष्टीकरण जारी करते हुए बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हितग्राहियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। यदि किसी पात्र हितग्राही का फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक मशीन में मैच नहीं होता है, तो उसे नियमानुसार अन्य माध्यमों से राशन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध हो सकती है। विशेष रूप से बुजुर्गों एवं बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण में कठिनाई का सामना करने वाले हितग्राहियों के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है। खाद्य नियंत्रक ने कहा कि फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने के कारण बुजुर्गों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने संबंधी भ्रामक एवं अधूरी जानकारी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पहले से वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान है। खाद्य नियंत्रक ने कहा है कि इस प्रकार के वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है, ताकि आम जनता के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। ऐसे मामलों में नियमानुसार नामिनी (नामांकित व्यक्ति) के माध्यम से अथवा ओटीपी (OTP) आधारित प्रमाणिकरण के जरिए से राशन प्राप्त करने की सुविधा हो सकती है। अतः फिंगर प्रिट मिलान न होने मात्र से यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि संबंधित हितग्राही को राशन नहीं मिल सकता।

ई-चालान से असंतुष्ट वाहन चालकों के लिए बड़ी राहत !

रायपुर ■ दैनन्दिनी

ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी ई-चालान में कोई गलती है या वाहन चालक को चालान पर आपत्ति है, तो उसे अपनी शिकायत दर्ज कराने का मौका मिलेगा। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने ई-चालान से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई और निराकरण के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात) को शिकायत निवारण अधिकारी (जीआरओ) नियुक्त किया है। वाहन चालक चालान जारी होने के 45 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। यह सुविधा NextGen eChallan व्यवस्था के तहत दी गई है। इसका मकसद ई-चालान से जुड़े मामलों में वाहन चालकों को अपना पक्ष रखने का अवसर देना और शिकायतों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करना है।

ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन शिकायत का भी विकल्प-ई-चालान से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए वाहन चालकों को ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों विकल्प मिलेंगे। ऑनलाइन शिकायत NextGen eChallan पोर्टल के माध्यम से दर्ज की जा सकती है। वहीं, ऑफलाइन शिकायत के लिए वाहन चालक कालीबाड़ी चौक स्थित रायपुर यातायात मुख्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात) के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। पुलिस कमिश्नरेट ने शिकायतों की जांच, सुनवाई और मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी जीआरओ को सौंपी है, ताकि ई-चालान से जुड़े मामलों की समीक्षा कर उनका जल्द निराकरण किया जा सके।

शिकायत के लिए ये हैं संपर्क नंबर-ई-चालान पर आपत्ति या शिकायत होने पर वाहन चालक यातायात मुख्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए पुलिस ने दूरभाष और मोबाइल नंबर भी जारी किए हैं।

कार्यालयः अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात, पुलिस कमिश्नरेट रायपुर-पताः यातायात मुख्यालय, कालीबाड़ी चौक, रायपुर
दूरभाष नंबरः 0771-4247108
मोबाइल नंबरः 9479299814
ऑनलाइन माध्यमः NextGen eChallan पोर्टल

45 दिन की समयसीमा का रखें ध्यान

ई-चालान से जुड़ी किसी भी विसंगति या आपत्ति के मामले में वाहन चालकों को चालान जारी होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा दी गई है। ऐसे में चालान में दर्ज जानकारी या उल्लंघन को लेकर असहमति होने पर निर्धारित समयसीमा के अंदर शिकायत करना जरूरी होगा। रायपुर यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे ई-चालान से जुड़ी समस्या होने पर ऑनलाइन पोर्टल या यातायात मुख्यालय के जरिए अपनी शिकायत दर्ज कराएं। जीआरओ की नियुक्ति से शिकायतों की सुनवाई और उनके निराकरण के लिए एक निर्धारित व्यवस्था उपलब्ध होगी।

जल जीवन मिशन में किए काम का करोड़ों बकाया, भुगतान के लिए 27 को अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करेंगे ठेकेदार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जल जीवन मिशन के तहत जिलों में काम पूरा करने के बाद बीते ढाई साल से भुगतान के लिए निर्माण एजेंसियां और ठेकेदार जूझ रहे हैं। लंबे समय से भुगतान अटकने से परेशान ठेकेदार छत्तीसगढ़ कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन की अगुवाई में 27 अक्टूबर को रायपुर में घड़ी चौक से लेकर अंबेडकर चौक तक विरोध-प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष बीरेश शुक्ला के मुताबिक, बीते तीन साल से एजेंसियों का करीब पांच हजार करोड़ का भुगतान लंबित है। मिशन के तहत मल्टी विलेज योजना, सिंगल विलेज योजना, एमबीएस योजना, सोलर आधारित योजना, रनिंग वाटर योजना, नलकूप खनन योजना एवं अन्य स्कीमों के तहत कार्य किए गए हैं, लेकिन भुगतान रोक दिया गया है। जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाना है, लेकिन भुगतान संबंधी संकट का असर अब योजना की जमीनी बदहाली पर नजर आ रही है। पर्याप्त संचालन और रखरखाव नहीं होने से ग्रामीणों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। ठेकेदारों ने काम पूरा करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया था। अब समय पर बैंक की किस्तें नहीं चुका पा रहे हैं। इस वजह से कई ठेकेदारों को खुदकुशी जैसा कदम भी उठाना पड़ा है।



लोकभवन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ



रायपुर ■ दैनन्दिनी

लोकभवन में आज से 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर लोकभवन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यों में ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शपथ ली। यह जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल की उप सचिव सुश्री निधि साहू ने लोकभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को "सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी" की शपथ दिलाई। सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने का संकल्प लिया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य शासकीय कार्यों में पारदर्शिता को बढ़ाना, कार्यप्रणाली में निष्ठा सुनिश्चित करना और एक भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासनिक व्यवस्था की नींव को मजबूत करना है। इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सतर्कता के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com